● जयपुर, सोमवार, 29 जनवरी 24 ● वर्ष 01 ● अंक 161 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.com | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक **चमकता राजस्थान**

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 शीघ्र ही ईआरसीपी परियोजना को राजस्थान के धरातल पर उतारने...

पेज @4 जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के रूप में क्लावर्स आमेर में वैश्विक...

पेज @8 दृढ़ इच्छाशक्ति वाला पीएम ही इस तरह के ऐतिहासिक फैसलों...

ईआरसीपी को लेकर राजस्थान- । मध्य प्रदेश में एमओयू साइन

ईआरसीपी पर सहमति दोनों राज्यों के लिए स्वर्णिम दिन : गजेन्द्र सिंह शेखावत

चमकता राजस्थान

जयपुर। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) में पानी के बंटवारे को लेकर राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच समझौता हो गया। दिल्ली में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की मौजूदगी में राजस्थान के सीएम भजनलाल रार्मा और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने एमओयू साइन किया। रविवार शाम करीब साढ़े सात बजे दोनों सरकारों के बीच पर्वती-कालीसिंध-चंबल रिवर लिंक परियोजना पर सहमति बनी। अब चंबल, पार्वती और कालीसिंध नदी को जोड़कर बड़ी आबादी तक पानी पहुंचाने का सपना साकार होगा। राजस्थान और मध्य प्रदेश के कुल 26 जिलों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

● राजस्थान के मुख्यमंत्री का वक्तव्य

» राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा– ईआरसीपी पिछले लंबे वक्त से लंबित चल रही थी। ऐसे में आज इसका एमओयू होना हमारे लिए काफी सुखद है। इससे पहले कभी मध्य प्रदेश तो कभी राजस्थान की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने इसे उलझाने को काफी कोशिश की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह ने इसे मूर्त रूप देकर आगे बढ़ाया है। इस योजना से राजस्थान का काफी बड़ा भूभाग प्रभावित होगा। ऐसे में यह योजना पूर्वी राजस्थान के लिए एक बहुत बड़ा वरदान साबित होगी।

● समझौता दोनों राज्यों के लिए स्वर्णिम दिन गजेन्द्र सिंह

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा- समझौता दोनों राज्यों के लिए स्वर्णिम दिन है। इस योजना का काम पूरा हो जाने के बाद दोनों राज्यों की 5 लाख 60 हजार हेक्टेयर नई जमीन सिंचाई के अधीन आएगी। इसके साथ ही अगले 30 से 40 सालों तक गेगजल की समस्या का भी समाधान हेगा। इस योजना से न केवल हम बहुत बड़े भूभाग को सूखे से बचाएंगे, बल्कि देश के कई राज्यों को बाढ़ से भी बचाएंगे। पानी के बंटवारे पर बर्न और पल के सांबा मप्र चंबल-मालवा पर जयपुर में दोनों मुख्यमंत्रियों ने की थी बैठक इराने पहले दिन में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जयपुर पहुंचकर भजनलाल शर्मा के साथ बैठक की थी। मोहन यादव और राजस्थान सीएम भजनलाल शर्मा ने जयपुर में साझा प्रेस कॉन्फेंस करके ईआरसीपी पर काम आगे बढ़ाने की बात कही थी। दोनों राज्य पानी के बटवारे पर विवाद को सुलझाने को राजी है। दोनो मुख्यमंत्री साथ में दिल्ली खाना हो गए थे। बैठक के बाद पत्रकारों को संबंधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) राजस्थान और मध्यप्रदेश के लिए महत्वपूर्ण परियोजना है। इनसे राजस्थान के 13 जिलों में 2.80 लाख हेक्टेयर सिवाई क्षेत्र के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा। खेत-खलिहानों के साथ औद्योगिक्त और वन क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, सालों से चल रही पेयजल की समस्या का समधान भी होना। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने संकल्प पत्र में प्रदेशवासियों से ईआरसीपी सहित जो वादे किए हैं, उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मिलकर परिणीति तक पहुंचाएंगे।

ईआरसीपी पर समझौता को लेकर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री का वक्तव्य

» मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा– हमारा चंबल का बेल्ट खेती की दृष्टि ने काफी महत्वपूर्ण है। इस योजना के सही ढंग से लागू होने से काफ़ी फायदा होगा। खेती के साथ ही औद्योगिक विकास और पर्यटन को भी तेजी मिलेगी। इस योजना में राजस्थान की तरह 13 जिले मध्य प्रदेश के भी आ रहे हैं। इन्हें जब इस योजना का लाभ मिलेगा। सबसे ज्यादा लाभ मालवा और चंबल बेल्ट में मिलने वाला है। मोहन यादव ने कहा– राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच कुछ मुद्दों पर सहमति भी थी। रविवार को जब मैं जयपुर पहुंचा, तब मेरी भजनलाल शर्मा से भी इस मुद्दे पर बात हुई, लेकिन सहमति नहीं बन पाई। अब केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह ने सहमति बनवाई है।

मशहूर पाकिस्तानी गायक ने जूतों से शागिर्द को पीटा, वीडियो वायरल होने पर मांगी माफी

नई दिल्ली/एजेंसी।

पाकिस्तानी गायक राहत फतेह अली खान का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे एक व्यक्ति को जूते से पीटते हुए दिखाई दे रहे है। उन्होंने आज उस वायरल वीडियो को खारिज करने की कोशिश की। उन्होंने दावा है कि वह व्यक्ति उनका शागिर्द है। वीडियो में लोकप्रिय कव्वाली गायक को बोतल के बारे में पूछताछ करते हुए बार-बार मारते और थप्पड़ मारते हुए दिखाया गया है। वह शख्स गायक से विनती करते हुए कहता दिख रहा है कि उसे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। दूसरे सीन में कुछ लोग शागिर्द को बचाने के लिए सिंगर को खींचने की कोशिश करते नजर आए। राहत फतेह अली खान अपने घरेलू सहायक के साथ दुर्व्यवहार करते हुए पकड़े गए। बाद में उन्होंने सफाई भी दी। नुसरत फतेह अली खान के भतीजे राहत फतेह अली खान ने बाद में स्पष्ट किया कि यह उस्ताद और उनके शागिर्द (शिक्षक और शिष्य) के बीच का व्यक्तिगत मामला था। उन्होंने अपने कृत्य को स्पष्ट करने के लिए एक वीडियो पोस्ट किया।

कार और लॉरी की भीषण टक्कर, छह दोस्तों की मौत

चेन्नई/एजेंसी। तमिलनाडु के दक्षिणी तेनकासी जिले में कदयानल्लूर के पास सिंगिलिपट्टी गांव में रविवार सुबह एक कार और लॉरी की टक्कर में छह दोस्तों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। यहां पुलिस मुख्यालय से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार कार में सवार सभी छह युवक, तेनकासी के पास पुलियानकुडी गांव के मूल निवासी थे और छुट्टियों में घूमने और कोर्टालम झरने में स्नान के बाद अपने घर लौट रहे थे। पुलिस सूत्रों ने यूनीवार्ता को बताया कि दुर्घटना तड×के करीब साढ़े चार बजे हुई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। पुलिस और अग्निशमन सेवा विभाग के कर्मियों को शवों को निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। शवों को बाद में पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया। दुर्घटना के बाद व्यस्त तेनकासी-मदुरै राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात लगभग दो घंटे तक प्रभावित रहा। क्षतिग्रस्त वाहन को मौके से हटाने के बाद यातायात बहाल कर दिया गया। पुलिस ने इस सिलसिले में मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

फास्ट टेक

चार लोगों ने शख्स पर चाकू से किया हमला, गोली मारी

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली में एक व्यक्ति पर उन चार लोगों ने चाकू से हमला किया और फिर गोली मार दी, जिसके साथ वे शराब पी रहे थे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उत्तरी-पूर्वी दिल्ली इलाके में हुई यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घायल व्यक्ति की पहचान शास्त्री पार्क इलाके के रहने वाले समीर अहमद के रूप में हुई है। पुलिस को दिए बयान में उसने बिलाल, सऊद, फिरोज और सलीम पर हमला करने का आरोप लगाया। जब अपराधियों ने पीड़ित का पीछा किया तो आसपास खड़े लोगों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की। बीच-बचाव करने आए लोगों में से एक को थप्पड़ मारा गया, उसके बाद वे अहमद पर चाकू से हमला करने के लिए आगे बढ़े। एक किराने की दुकान के सामने अहमद के गिरने के बाद दुकानदार दुकान बंद करने लगा।

राम जी संवार रहे हैं भाजपा के सारे काम, टूटते जा रहे हैं दुश्मन तमाम

जालंधर/एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी में जुटे सभी राजनीतिक दलों के सामने हर रोज नया सियासी घटनाक्रम सामने आ रहा है। एकजुटता के दावे करने वाले विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन का कुनबा धीरे-धीरे बिखरता जा रहा है। एक तरफ भाजपा नीत एनडीए उत्साह और ऊर्जा से भरपूर है। एक तरफ टीएमसी ने कांग्रेस को आंखें दिखाते हुए पश्चिम बंगाल में अकेले चुनाव लडने का ऐलान कर दिया वहीं पंजाब में सीएम भगवंत मान भी कांग्रेस से गठबंधन को लेकर बड़ा बयान दे चुके हैं। ऊपर से 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद देश में आस्था की लहर चल पड़ रही है और इस लहर के केंद्र बिंदु में पीएम नरेंद्र मोदी और भाजपा है। आज बिहार में सीएम नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद शाम को जेडीयू और भाजपा में नया गठबंधन होने जा रहा है।

बिहार की राजनीति में उठापटक जारी , दो डिप्टी सीएम सहित आठ मंत्रियों ने ली शपथ

9वीं बार सीएम बनें नीतीश कुमार

सुबह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा, शाम को फिर से शपथग्रहण

चमकता राजस्थान ।

नई दिल्ली। (एजेंसी)बिहार में नीतीश कुमार ने एक बार फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। बिहार में नीतीश कुमार ने रविवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था जिसके बाद बिहार की राजनीति में बड़ा भूचाल आया था। राज्यपाल राजेंद्र आरलेकर को राज भवन पहुंचकर नीलेश कुमार ने अपना इस्तीफा सौपा था। इस्तीफा सौंपने के बाद नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने भाजपा के साथ गठबंधन कर नई सरकार का गठन किया है। ये नौवें बार है जब नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। इसी के साथ बिहार में एक बार फिर से सत्ता परिवर्तन हो गया है।

इस शपथ ग्रहण की खासियत यह रही कि बिहार में नीतीश कुमार के इस्तीफा के बाद नई सरकार बनी है। नई सरकार बनने के बाद भी मुख्यमंत्री का चेहरा वही रहा है। यानी जदयू के चीफ ही मुख्यमंत्री बने रहेंगे। बता दें कि रविवार को राजभवन में नीतीश कुमार ने नौवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है।इस शपथ ग्रहण समारोह में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, चिराग पासवान, जीतन राम मांझी समेत कई बड़े नेताओं ने शिरकत की है।इस शपथ ग्रहण समारोह में नुख्यमंत्री के अलावा कैबिनेट में शामिल होने के लिए कुज 8 मंत्रियों ने भी शपथ ली है। वही सम्राट चौधरी ने भी उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। उनके साथ ही विजय सिन्हा ने भी बन्य के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली है।

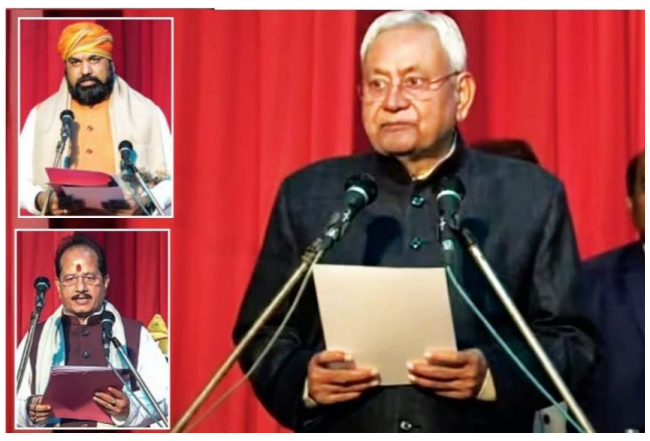

दो उपमुख्यमंत्री एवं मंत्री

» 1. सम्राट चौधरी (भाजपा)2. विजय सिन्हा (भजपा) मंत्री 3. डॉ. प्रेम कुमार (भाजपा) 4. विजेंद्र प्रसाद (जदयू) 5.श्रवण कुमार (जदयू) 5 विनय कुमार चौधरी (जदयू) 7. संतोष कुमार सुमन (हम) 8. सुमित सिंह (निर्दलीय)

पीएम मोदी की देशवासियों से मन की बात बोले

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा ने करोड़ों लोगों को एक सूत्र में बांध दिया

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मन की बात कार्यक्रम में संबोधित कर रहे हैं। संबोधन के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारे संविधान की मूल प्रति के तीसरे अध्याय में भारत के नागरिकों के मूलभूत अधिकारों का वर्णन किया गया है। ये बहुत दिलचस्प है कि तीसरे अध्याय के प्रारंभ में हमारे संविधान निर्माताओं ने भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण जी के चित्रों को स्थान दिया था।

प्रभु राम का शासन, हमारे संविधान निर्माताओं के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत था और इसलिए 22 जनवरी को अयोध्या में मैंने देव से देश की बात की थी, राम से राष्ट्र की बात की थी। साथियो, अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के अवसर ने देश के करोड़ों लोगों को मानो एक सूत्र में बांध दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया कि 22 जनवरी की शाम को पूरे देश ने रामज्योति जलाई, दिवाली मनाई, मैंने देश के लोगों से आग्रह किया था कि मकर संक्रांति से 22 जनवरी तक स्वच्छता का अभियान चलाया जाए। मुझे अच्छा लगा कि लोग इससे जुड़े. लोगों ने मुझे फोटोज भी भेजीं. उन्होंने कहा कि मंदिरों को साफ करने की भावना रुकनी नहीं चाहिए, ये अभियान रुकना नहीं चाहिए। सामूहिकता की यही शक्ति, हमारे देश को सफलता की नई ऊंचाई पर पहुंचाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि परीक्षा पर चर्चा के लिए इस बार दो करोड़ से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया है।

सिंगर बी प्राक के भजन सुनने पहुंची श्रद्धालुओं की बेतहाशा भीड़, मंच गिरा- महिला की मौत

नई दिल्ली/एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली के कालकाजी मंदिर में बीती माता जागरण के दौरान स्टेज गिरने से महिला की मौत हो गई, जबकि 17 घायल हो गए। इस जागरण में काफी संख्या मे लोगों की भीड़ सिंगर बी प्राक के भजन सुनने पहुंची थी। पुलिस ने बताया कि कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति नहीं दी गई थी। दिल्ली के कालकाजी मंदिर के महंत परिसर में बीती रात माता का जागरण कार्यक्रम था। इस दौरान वहां पर लकड़ी और लोहे के फ्रेम से मंच तैयार किया गया था। कार्यक्रम शुरू होने के बाद देर रात अचानक मंच हिलने लगा और कुछ ही सेकंड में वह टूट गया। माना जा रहा है कि मंच पर क्षमता से ज्यादा लोग बैठे थे। इससे उसका संतुलन बिगड़ गया और वह टूट गया। हालाँकि, कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त कर्मचारी तैनात किए गए थे। वहां करीब 1500-1600 लोगों का जमावड़ा था। अन्य सभी घायलों की हालत स्थिर है, जबकि कुछ को फ्रैक्चर हुआ है।

नीतीश की चालों से इंडिया गठबंधन को झटका

अब लगभग यह तय हो गया है कि भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विपक्षी दलों एवं उनके नेताओं के द्वारा हल्के में लेने की स्थितियां उनके लिये कितनी भारी हो सकती है। दूसरा भारत की राजनीति में भाजपा अगर कुछ करने की ठान लेती है तो वह उसे पूरा करती ही है। बिहार में सत्ता का समीकरण बदलना इसी बात का द्योतक है। बिहार में जारी सियासी उथलपुलथ के बीच आरजेडी के राज्यसभा सांसद अहमद अशफाक ने बड़ा ऐलान करते हुए आखिर कह ही दिया है कि अब जेडीयू और आरजेडी का रिश्ता टूट गया है। इस बात के प्रबल संकेत मिल रहे हैं कि मुख्यमंत्री और जेडीयू नेता नीतीश कुमार ने आरजेडी से अलग होने का फैसला कर लिया है। अगर ऐसा हुआ तो बिहार में न केवल महागठबंधन की सरकार गिर जाएगी बल्कि इंडिया महागठबंधन में भी दरारे पड़ जायेगी। यह भी संभावनाएं व्यक्त की जा रही है कि इसके बाद नीतीश एक बार फिर भाजपा के साथ मिलकर बिहार में सरकार बना सकते हैं। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा की रणनीति का यह एक बड़ा दांव सफल होता हुआ दिख रहा है।

वैसे भाजपा एवं जेडीयू नेता नीतीश कुमार के बीच भीतर-ही-भीतर यह कीचड़ी विगत कुछ समय से पक रही थी। इसका पहला ठोस संकेत जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिये जाने की घोषणा पर उनके द्वारा पहले भाजपा सरकार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिये धन्यवाद से सामने आया। दूसरा बड़ा संकेत कर्पूरी ठाकुर की सौवीं जयंती के मौके पर आयोजित समारोह में नीतीश कुमार ने तंज कस कर कि आजकल बहुत से लोग अपने परिवार के सदस्यों को ही आगे बढ़ाने में लगे रहते हैं, इस रूप में सामने आया। इसे सीधे तौर पर लालू प्रसाद यादव पर हमला माना गया, जिनकी पार्टी के साथ वह बिहार में सरकार चला रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम के बाद से राजद और जदयू के बीच गहरी खाई बन गई है। लालू-तेजस्वी से नीतीश की बातचीत बंद चल रही है। वहीं महगठबंधन के सहयोगी दल भी सकते में आ गये हैं। क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के खिलाफ बिखरे हुए विपक्ष को एकजुट करने की कवायद करने वाले नीतीश कुमार ही रहे हैं। नीतीश कुमार ने ही पिछले साल जून में पटना में विपक्षी दलों की महाजुटान की थी। उनकी पहल पर ही विपक्ष के तमाम दल मतभेदों के बावजूद एक प्लेटफॉर्म पर आने को तैयार हुए ताकि लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ ज्यादा से ज्यादा सीटों पर विपक्ष की तरफ से साझा उम्मीदवार उतारा जा सके। लेकिन जब चुनाव एकदम सिर पर आ गया तो नीतीश कुमार ही पाला बदलने जा रहे। तिनका-तिनका जोड़कर विपक्षी एकजुटता का ताना-बाना तैयार करने वाले जेडीयू चीफ ऐन वक्त पर खुद ही गठबंधन से दूर होने जा रहे हैं। ये विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए बहुत बड़ा आघात है।

लोकसभा चुनाव में दो-ढाई महीने का समय शेष है। भाजपा हर हाल में नरेंद्र मोदी को ही तीसरी बार सत्ता सिंहासन पर बैठाना चाहती है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर से पैदा हुई हिंदुत्व लहर पर सवार भाजपा जाति को साधने में भी पीछे नहीं है। कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का ऐलान हो चुका है। दलितों को लुभाने के लिए बड़ा अभियान शुरू करने का प्लान भी तैयार हो चुका है। दूसरी तरफ विपक्ष खासकर उसके सबसे बड़ा गठबंधन इंडिया की नजर हर हाल में मोदी के विजय रथ को रोकने पर है। लेकिन लगभग टूट एवं बिखर चुके इंडिया किस तरह मोदी रथ को रोक पायेंगी? क्योंकि लोकसभा चुनाव से पहले ही इंडिया गठबंधन हांफने लगा है। नीतीश कुमार का पाला पाला बदलना वैसे ही है जैसे युद्ध शुरू होने से ऐन पहले सारथी ही पाला बदल ले। गठबंधन के नीतीश ही नहीं, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल भी कांग्रेस को आंख दिखा रहे हैं, जिससे गठबंधन की गाड़ी आगे सरकती नजर नहीं आ रही है। गठबंधन के भविष्य पर सवालिया निशान ही नहीं, ग्रहण लग गया है। बिहार की उठापटक एवं बदलते राजनीतिक समीकरणों का सीधा लाभ भाजपा को मिलेगा। बिहार में 40 लोकसभा सीटें हैं। अगर नीतीश कुमार भाजपा से मिलकर एनडीए गठबंधन का हिस्सा बनते हैं तो इनमें से अधिकाधिक लोकसभा सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों की जीत की संभावना अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाएगी।

बिहार में नीतीश की इसी भूमिका के कारण ही इंडिया गठबंधन में उनकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका मानी जा रही थी। विपक्षी दलों के बीच गठबंधन करके ज्यादा से ज्यादा सीटों पर एनडीए के खिलाफ साझा प्रत्याशी खड़ा करने का यह पूरा प्रयास नीतीश कुमार की ही पहल पर शुरू हुआ था। ऐसे में उनके जाने के बाद यह प्रक्रिया किस तरह से और कितनी आगे बढ़ेगी, इस पर संदेह के बादल मंडरा रहे हैं। राजनीति में जब नीति गायब होने लगती है तो बेमेल गठबंधनों के बनते एवं बिखरते के दृश्य देखने को मिलते हैं और, इस बुराई के लिए कमोबेश सभी राजनीतिक दल समान रूप से जिम्मेदार हैं। देखा जाए तो सबकी नजर में 2024 का लोकसभा चुनाव है जहां 40 सीटों वाले बिहार की भूमिका को अहम मानते हुए अभी सारे दांव-पेंच वहीं चल रहे हैं। बिहार में नया सियासी समीकरण कितना बदलाव लाएगा, यह भविष्य ही बताएगा।

ऐसे में लंबे समय से कयास लगाए जा रहे थे कि नीतीश कुमार कभी भी भाजपा का हाथ थाम सकते हैं। वैसे भी अब नीतिश की छवि अवसरवादी नेता की हो गयी है। दरअसल यह अवसरवादिता और मौकापरस्ती की हद है जिसका राजनीति में प्रतिकार होना चाहिए। वास्तव में बिहार का ही सबसे बड़ा दुर्भाग्य है कि इस राज्य में जातिवादी और परिवारवादी राजनीति ने इस प्रदेश की जनता के मौलिक अधिकारों से उनको वंचित किये हुए हैं और इस प्रांत के लोगों को भारत का सबसे गरीब आदमी बनाया हुआ है। जबकि बिहारियों का भारत के सर्वांगीण विकास में योगदान कम नहीं हैं, सबसे अधिक मेहनती एवं बुद्धिजीवी लोग यही से आते हैं। लेकिन दूषित राजनीति की कालिमाएं यहां के धवलित इतिहास को धुंधलाती रही है। यहां की राजनीति की सत्तालोलुपता एवं भ्रष्टता लोकतांत्रिक मूल्यों को ध्वस्त करती रही है। जबकि प्रामाणिकता एवं सिद्धांतवादिता राजनीतिक क्षेत्र में सिर का तिलक है और अप्रामाणिकता एवं अवसरवादिता मृत्यु का पर्याय होती है। आवश्यकता है, राजनीति के क्षेत्र में जब हम जन मुखातिब हों तो प्रामाणिकता का बिल्ला हमारे सीने पर हो। उसे घर पर रखकर न आएं। राजनीति के क्षेत्र में हमारा कुर्ता कबीर की चादर हो। नीतीश बाबू ने जिस महागठबंधन को बनाया, बनने के साथ ही उसकी उल्टी गिनती शुरु हो गयी थी। अब तो खुद सारथि ही अपना पाला बदल रहा है।

विपक्षी एकता का ढहता किला

आशीष वशिष्ठ

इंडी गठबंधन के बारे में राजनीति की समझ रखने वाले अधिकतर व्यक्तियों के अनुमान सही साबित हुए। गठबंधन की पहली बैठक के बाद से ही उसके भविष्य के बारे में जो कुछ कहा जा रहा था, वो शब्दशः धरती पर उतरता दिख रहा है। वास्तव में इंडी नामक विपक्षी गठबंधन में चूंकि वैचारिक साम्यता नहीं है इसीलिए इसकी एकजुटता प्रारंभ से ही संदिग्ध रही है। उससे जुड़े दल मोदी विरोध पर तो एकमत हैं किंतु आपसी विश्वास नजर नहीं आने से एक कदम आगे, दो कदम पीछे वाली स्थिति से घिरे हैं। सीट बंटवारे की वेला समीप आते ही, गठबंधन तिनकों की तरह बिखरता जा रहा है।

भारतीय राजनीति का इतिहास खंगाले तो पिछले 75 वर्षों में न जाने कितने गठबंधन बने और बिखरे, और पुनः बने। चूंकि विपक्ष की नियति टूटने की है, लिहाजा बार-बार गठबंधन करना पड़ता है। यह नियति जनता पार्टी के दौर से कुछ अधिक देखने को देश अभिशप्त है। 2014 में केंद्र में मोदी सरकार के गठन के बाद से हर बीतते वर्ष के साथ विपक्ष की राजनीति की कांति लगातार प्रभावहीन हो रही है। मोदी सरकार के नौ वर्षों के कामकाज के बाद विपक्ष ने बड़ा साहस और शक्ति जुटाकर इस गठबंधन का गठन किया था। गठबंधन के बाद विपक्ष ने मीडिया और प्रचार तंत्र के माध्यमों से ऐसा वातावरण और संदेश देने का काम किया था कि इस गठबंधन के सामने भाजपानीत एनडीए गठबंधन टिक नहीं पाएगा। लेकिन गठबंधन की पहली बैठक के समय से ही जिस तरह की चालाकी और व्यवहार गठबंधन में शामिल घटक दलों के नेता एक दूसरे के साथ कर रहे थे, उससे ऐसा प्रतीत हो रहा था कि इस गठबंधन की आयु दीर्घ नहीं होगी। यह इतनी छोटी होगी कि गठबंधन चुनाव से पहले ही बिखर जाएगा।

विपक्षी गठबंधन अपने अस्तित्व के लगभग सात माह के दौरान चाय-नाश्ते पर बैठकें तो कर सका,

लेकिन सीटों के बंटवारे, सचिवालय, संयोजक, साझा न्यूनतम कार्यक्रम, साझा नारा, ध्वज आदि पर आज तक सहमत नहीं कर सका है। पश्चिम बंगाल के अलावा पंजाब ने अलगाव की घोषणा कर दी है। रही-सही कसर बिहार में पूरी हो गई। नीतीश कुमार का इस गठबंधन से अलग होना विपक्ष को सबसे बड़ा झटका है। अब विपक्ष के सामने चुनौती है कि कैसे भाजपा को लगातार तीसरी बार चुनाव जीतने से रोका जाए और तमाम सर्वे कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। ऐसी स्थिति में मोदी का मुकाबला कैसे होगा ये अहम प्रश्न है? पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस और पंजाब में भगवंत मान ने आम आदमी पार्टी की ओर से घोषणा की हैं कि वे अकेले ही सभी सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। ममता और भगवंत मान दोनों ही अपने-अपने राज्य के मुख्यमंत्री हैं। आश्चर्य यह है कि बंगाल में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रति अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं। वह छुटभैया नेता नहीं हैं, बल्कि लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता हैं। वह ममता बनर्जी को 'अवसरवादी नेता' करार देते रहे हैं और बार-बार बयान देते हैं कि ममता कांग्रेस की कृपा और मदद से ही पहली बार सत्ता में आई थीं। कांग्रेस अकेले ही चुनाव लड़ने में सक्षम है। ममता गठबंधन की भीतरी राजनीति से क्षुब्ध थीं। उनके प्रत्येक प्रस्ताव को खारिज किया गया। गठबंधन में वाममोर्चे के नेताओं का प्रभाव ज्यादा है और वे हरेक बैठक को 'तारपीडो' करते रहे हैं। ममता का आरोप है कि राज्य में कांग्रेस की रैलियां की जा रही हैं। उनके खिलाफ जहर उगला जा रहा है। राहुल गांधी की 'न्याय यात्रा' की न तो उन्हें जानकारी दी गई और न ही कोई आमंत्रण मिला। बंगाल में 'न्याय यात्रा' और राहुल गांधी के जो पोस्टर लगाए गए थे, ममता की घोषणा के बाद उन्हें फाड़ना शुरू कर दिया गया। दोनों दलों के बीच विषैला अलगाव इस सीमा तक पहुंच चुका है। अंततः ममता ने फैसला किया कि उनकी तृणमूल कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस के साथ, कोई गठबंधन नहीं करेगी और सभी 42 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी।

हालांकि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पार्टी का नरम रुख जताया कि ममता के बिना गठबंधन की कल्पना तक नहीं की जा सकती। बहरहाल तृणमूल कांग्रेस बंगाल की सबसे मजबूत राजनीतिक ताकत है। 2019 के लोकसभा चुनाव में 43 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल कर उसके 22 उम्मीदवार जीते थे, जबकि कांग्रेस के 5.5 फीसदी वोट के साथ मात्र 2 उम्मीदवार ही संसद तक पहुंच पाए थे। वाममोर्चे को करीब 7.5 फीसदी वोट मिले थे, लेकिन सांसद के तौर पर 'शून्य' ही नसीब हुआ। भाजपा को 40 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे और उसके पहली बार 18 सांसद चुने गए।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि पंजाब के सीटों पर किसी से समझौता नहीं होगा। आम आदमी पार्टी ने पंजाब में 13 लोकसभा सीट के लिए करीब 40 उम्मीदवार शार्ट लिस्ट किए हैं।2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने पंजाब में 92 सीटें जीतीं, जबकी 2017 में उसके 20 उम्मीदवार जीते थे। और अब बिहार में इस इंडी महागठबंधन में आई सबसे बड़ी दरार ने पूर्व की राजनीतिक कयासों पर मुहर लगा दी है। ऐसा लगता है इंडी के बाकी घटक ये जान गए हैं कि कांग्रेस नीति और नेतृत्व की दृष्टि से खस्ताहाल में है। ऐसे में वे उसके साथ डूबने की बजाय खुद का बचाव करने की रणनीति पर आगे बढ़ रहे हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कर्पूरी ठाकुर के विचारों पर अमल

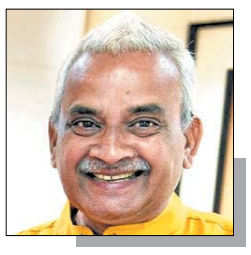

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

यह सही है कि अमित शाह सहित भाजपा के अनेक नेताओं ने नीतीश कुमार के लिए पार्टी के दरवाजे बंद रखने का ऐलान किया था। यह नीतीश के परिवारवाद और घोटाले के आरोपों से घिरी राजद के पाले मे जाने के बाद लिया गया था। लेकिन आज उसी बिहार को परिवारवाद और भ्रष्टाचार घोटालों से बचाने के लिए भाजपा को निर्णय बदलना पड़ा। यह निर्णय उस विचार के अनुरूप है कि राष्ट्र और जनहित पहले पार्टी बाद में। बिहार का हित इसी में था। भाजपा ने भारत रत्न से विभूषित कर्पूरी ठाकुर के विचारों पर अमल किया। बिहार को परिवारवाद के वर्चस्व की तरफ बढ़ने से रोक दिया। कर्पूरी ठाकुर परिवारवाद भ्रष्टाचार के घोर विरोधी थे। वह जिस झोपड़ी में जन्मे थे, वही जीवन के अंत तक उनकी सम्पत्ति थी। जबकि वह दो बार प्रदेश के मुख्यमंत्री, एक बार उप मुख्यमंत्री, एक बार सांसद बने। दशकों तक विधायक रहे। वह उस समय जनसंघ के सहयोग से ही मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री बने थे। आज नरेंद्र मोदी सरकार ने उन्हें सर्वोच्च सम्मान दिया है। उनके विचारों को भी सम्मान दिया है। बिहार को राजद के परिवारवाद और भ्रष्टाचार को बचाने का कार्य किया है। राजद प्रमुख अपने पुत्र को मुख्यमंत्री बनाने के लिए नीतीश पर निर्णयक दबाब बना चुके थे. जातिगत जनगणना के बाद से लालू यादव का नीतीश पर मुख्यमंत्री पद छोड़ने का दबाब ज्यादा बढ़ गया था। क्योंकि जातिगत जनगणना से उनका एमवाई समीकरण मजबूत दिखाई दे रहा था। दूसरी तरफ नीतीश कमजोर दिखाई देने लगे थे। लेकिन नीतीश कुमार को आत्मचिंतन अवश्य करना चाहिए। भाजपा के साथ केंद्र में मैत्रीपूर्ण फिर मुख्यमंत्री रहते हुए उनकी सुशासन बाबु की छवि बनी थी। वह छवि राजद से हाथ मिलाते ही चौपट हो गई। नीतीश को अपनी धूमिल हो चुकी छवि को सँवारने का एक और अवसर मिला है। बिहार की राजनीति में भाजपा और राजद दो विपरित ध्रुव हैं। भाजपा राष्ट्रवादी विचारधारा और कैडर पर आधारित पार्टी है। दूसरी तरफ राजद परिवार आधारित पार्टी है। इसके संस्थापक मुख्यमंत्री रहते हुए ही घोटालों के आरोपी बने थे। उस समय उनके पुत्र छोटे थे। इसलिए अपनी पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमन्त्री बना दिया था। लालू यादव आज भी वहीं है। अब उनका स्वास्थ भी ठीक नहीं रहता। छोटे पुत्र तेजस्वी बड़े हो गए। नीतीश कुमार को वही डील कर रहे थे। कहने को तेजस्वी उपमुख्यमंत्री थे। लेकिन नितीश के मुकाबले लगभग दो गुना संख्याबल था। ऐसी सरकारें खास अंदाज में चलती हैं। मुख्यमन्त्री को अपने उप मुख्यमन्त्री की कृपा पर निर्भर रहना पड़ता था। भाजपा और जेडीयू की बात अलग थी। दोनों ने मिल कर चुनाव था। गठबंधन के नेता नितीश कुमार थे। उन्हीं को भावी मुख्यमन्त्री के रूप में प्रस्तुत किया गया था। इसी गठबन्धन को जनादेश मिला था। इसमें भी जेडीयू का संख्याबल भाजपा से कम था। लेकिन भाजपा ने जनादेश का सम्मान किया। नितीश के नेतृत्व में सरकार को जन आकांक्षा के अनुरूप चलाया जा रहा था। राजद की तरफ का नितीश पर कोई दबाब नहीं था। राजद का पूरा कुनबा ही घोटालों के आरोप में घिरा है। बताया जाता है कि लालू यादव ने अपनी भ्रष्ट कार्य शैली से पूरे कुनबे को लाभान्वित किया था। नीतीश ने जब पहली बार पाला बदल कर राजद के सरकार बनाई थी, तब भी राजद ने अपनी मूल प्रकृति का परित्याग नहीं किया था। उस सरकार में तेजस्वी यादव उपमुख्यमंत्री थे। उनके बड़े भाई स्वास्थ मंत्री थे। दोनों मिल कर लालू यादव की विरासत को बढ़ाने जुटे थे। सुशासन बाबू यह देख कर बेचैन हो गए थे। उन्हें लगा भाजपा के साथ रहकर जो छवि निर्मित हुई थी, सब तार तार हुई जा रही है। इसलिए नितीश कुमार उस गठबंधन से पीछा छुड़ा कर भाजपा में वापस आ गए थे। नितीश और लालू परिवार के बीच फिर अमर्यादित आरोपों की बौछार शुरू हो गई थी। ऐसा लगा जैसे नीतीश अब कभी लालू के कुनबे की तरफ पलट कर नहीं देखेंगे। लेकिन फिर बैतलवा डाल पर की कहावत चरितार्थ हुई थी. एक दूसरे पर हमला बोलने वाले एक पाले में आ गए थे। विधानसभा में विश्वासमत भी हासिल कर लिया था। राजद यह विश्वास के साथ नहीं कह सकती कि नीतीश कब तक उसके चंगुल में रहेंगे। इसलिए तेजस्वी यादव राजद की परम्परा के अनुरूप ही खुल कर कार्य कर रहे थे। पिछली बेमेल गठबंधन की पिछली सरकार में तो विसंगति दिखाई देने में कुछ समय लगा था। लेकिन दूसरी बार नीतीश तेजस्वी सरकार की शुरुआत ही विसंगति से हुई थी। राजद ने अपरोक्ष रूप में नीतीश कुमार को औकात बता दी थी यह संदेश दिया गया कि था कि उन्हें राजद के हिसाब से ही सरकार चलानी होगी। नितीश ने भी इस संदेश को शिरोधार्य कर लिया था। नीतीश को शुरुआत में ही बता दिया राजद कोटे के मंत्रियों पर लगे आरोपों पर वह मौन रहेंगे। सरकार में बिहार में नए कानून मंत्री कार्तिकेय सिंह को लेकर विवाद शुरू हो गया था। इस पर नीतीश कुमार पूरी तरह लाचार दिखाई दिए थे। तब नीतीश ने कहा कि विवादित या आरोपी मंत्रियों पर उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव निर्णय लेंगे। बार बार पाला बदलने के बाद नितीश कुमार में इतना भी नैतिक साहस नहीं बचा था। उन्होंने मान लिया था कि राजद कोटे के सभी मंत्रियों के लिए तेजस्वी ही अघोषित मुख्यमंत्री है। नीतीश केवल अपनी कुर्सी और अपनी पार्टी के मंत्रियों के क्रियाकलाप देखेंगे। इसलिए नीतीश कुमार ने कहा कि कानून मंत्री कार्तिकेय सिंह पर लगे आरोपों के बारे में उनको कोई जानकारी नहीं थी। जबकि उनके खिलाफ अपहरण के एक मामले मंगलवार को कोर्ट ने वारंट जारी किया था। यह अकेला मामला नहीं था। नितीश सरकार में आधा दर्जन से ज्यादा क्रिमिनल और हिस्ट्रीशीटर शामिल थे।

वैसे राजद की समस्या यह थी कि वह अच्छी छवि वाले विधायक लाए भी कहाँ से। इस पार्टी में ऐसे लोगों का ही वर्चस्व है। लालू यादव ने कभी सिद्धांतो की राजनीति नहीं की। नीतीश का यह कहना गलता था कि उन्हें आरोपी मंत्रियों की जानकारी नहीं है। नितीश पूरी राजद को जानते हैं। पहले वह इन सभी का कच्चा चिट्ठा होने का दावा करते थे। यह लाचारी नीतीश ने कुर्सी के लिए खुद स्वीकार की थी। कार्तिकेय सिंह को अपहरण मामले में सरेंडर करना था,वह सत्ता पक्ष की शोभा बढ़ा रहे थे।

आमजन के राम

के. विक्रम राव

राम की कहानी युगों से भारत को संवारने में उत्प्रेरक रही है। इसीलिए राष्ट्र के समक्ष सुरसा के जबड़ों की भांति फैले हुए सद्य संकटों की रामकहानी समझना और उनका मोचन इसी से मुमकिन है। शर्त यही है राम में रमना होगा, क्योंकि वे "जन रंजन भंज न सोक भयं" हैं। बापू का अनुभव था कि जीवन के अंधेरे और निराश क्षणों में रामचरित मानस में उन्हें सुकून मिलता था। राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि "राम का असर करोड़ों के दिमाग पर इसलिये नहीं है कि वे धर्म से जुड़े हैं, बल्कि इसलिए कि जिन्दगी के हरेक पहलू और हरेक कामकाज के सिलसिले में मिसाल की तरह राम आते हैं। आदमी तब उसी मिसाल के अनुसार अपने कदम उठाने लग जाता है।" इन्हीं मिसालों से भरी राम की किताब को एक बार विनोबा भावे ने सिवनी जेल में ब्रिटेन में शिक्षित सत्याग्रही जेसी कुमारप्पा को दिया और कहा, "दिस रामचरित मानस ईज बाइबल ऐंड शेक्सपियर कम्बाइन्ड।" लेकिन इन दोनों अंग्रेजी कृतियों की तुलना में राम के चरित की कहानी आधुनिक है, क्योंकि हर नई सदी की रोशनी में वह फिर से सुनी, पढ़ी और विचारित होती है। तरोताजा हो जाती है। गांधी और लोहिया ने सुझाया भी था कि हर धर्म की बातों की युगीय मान्यताओं की कसौटी पर पुनर्समीक्षा होनी चाहिए। गांधीजी ने लिखा था, "कोई भी (धार्मिक) त्रुटि शास्त्रों की दुहाई देकर मात्र अपवाद नहीं करार दी जा सकती है।" (यंग इण्डिया, 26 फरवरी 1925)। बापू ने नये जमाने के मुताबिक कुरान की भी विवेचना का जिक्र किया था। लोहिया तो और आगे बढ़े। उन्होंने मध्यकालीन रचनाकार संत तुलसीदास के आधुनिक आलोचकों को चेताया, "मोती को चुनने के लिए कूड़ा निगलना जरूरी नहीं है, और न कूड़ा साफ करते समय मोती को फेंक देना।" रामकथा की उल्लास-भावना से अनुप्राणित होकर लोहिया ने चित्रकूट में रामायण मेला की सोची थी। उसके पीछे दो प्रकरण भी थे। कामदगिरी के समीप स्फटिक शिला पर बैठकर एक बार राम ने सुन्दर फूल चुनकर काशाय वेशधारिणी सीता को अपने हाथों से सजाया था। (अविवाहित) लोहिया की दृष्टि में यह प्रसंग राम के सौन्दर्यबोध और पत्नीव्रता का परिचायक है, जिसे हर पति को महसूस करना चाहिये।

स्वयं लोहिया ने स्फटिक शिला पर से दिल्ली की ओर देखा था। सोचा भी था कि लंका की तरह केन्द्र में भी सत्ता परिवर्तन करना होगा। तब नेहरू-कांग्रेस का राज था। फिर लोहिया को अपनी असहायता का बोध हुआ था, रावण रथी, विरथ रघुवीर की भांति। असमान मुकाबला था, हालांकि लोहिया के लोग रथी हुए उनके निधन के बाद। लोहिया रामचरितमानस के छोटे किस्सों का उद्धरण करते थे और आमजन की जिज्ञासा जगाते थे ताकि राम पर चर्चा व्यापक हो। मसलन बड़े भाई राम अकसर अनुज लक्ष्मण को उकसाते थे। जब धनुष टूटा तो नाराज परशुराम से लक्ष्मण का विवाद तीखा था। शूर्पणखा को टालने के लिए फिर राम ने लक्ष्मण को एवजी बनाया। दोनों में संवाद का आयमन क्या था? लोहिया ने अपने राम को साधारण मनुष्य जैसा ही देखा था। महात्मा गांधी के विषय में एक अचंभा अवश्य होता है। द्वारका के निकट सागर किनारे वे पैदा हुए पर जीवनभर सरयूतटी राम के ही उपासक रहे। वे द्वारकाधीश को मानो भूल ही गये। शायद इसलिए कि गांधीजी जनता के समक्ष राम के मर्यादित उदाहरण को पेश करना चाहते हों। रामराज ही उनके सपनों का भारत था, जहां किसी भी प्रकार का ताप नहीं था, शोक न था।

'परीक्षा पे चर्चा' बच्चों के लिए सबसे बड़ा 'महामंत्र'

मुकुंद

परीक्षार्थियों के मानसिक तनाव और अन्य तरह के अवसाद को दूर करने का 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम सबसे सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। सामाजिक सरोकार से जुड़ा यह कार्यक्रम युवाओं के ही नहीं, उनके माता-पिता के दिलों में घर घर चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 29 जनवरी के अपने इस कार्यक्रम के बारे में एक्स हैंडल पर लिखा है 'मैं परीक्षा के तनाव को दूर करने के तरीकों पर सामूहिक रूप से रणनीति बनाने के लिए परीक्षा योद्धाओं की सबसे यादगार सभा 'परीक्षा पे चर्चा' का उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहा हूं। आइए, हम परीक्षा से जुड़ी उन निराशाओं को अवसरों की एक खिड़की में बदल दें...।' प्रधानमंत्री ने उन्होंने परीक्षाओं को मनोरंजक और तनाव मुक्त बनाने से संबंधित पिछले कार्यक्रम के विषयों और व्यावहारिक सुझावों को भी साझा किया। इस बारे में पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) की लखनऊ इकाई ने इस कार्यक्रम पर विस्तार से चर्चा की है। इसमें कहा गया है कि यदि किसी राष्ट्र के नेता राजकाज के अतिरिक्त अपनी जनता के लिए एक अभिभावक की भी भूमिका अपना लें तो उस राष्ट्र के लोग निश्चित रूप से सौभाग्यशाली हैं। राम राज्य की भी यही तो सबसे प्रधान विशेषता थी। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी समस्त भारतवासियों को अपना परिवार मानकर कुछ ऐसा ही सफल प्रयास कर रहे हैं। अभिभावक के रूप में नरेन्द्र मोदी की भूमिका की एक अच्छी मिसाल उनका 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम है जिसके माध्यम से वह किशोर और युवा विद्यार्थियों की समस्याओं को समझ कर उनका मार्गदर्शन करते हैं। 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए तनाव मुक्त माहौल बनाने, वैचारिक और अकादमिक उपलब्धि में सकारात्मक वृद्धि करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बड़े आंदोलन 'एग्जाम वॉरियर्स' का हिस्सा है। यह एक ऐसा आंदोलन है जो अभिभावकों, शिक्षकों और समाज को एक साथ लाता है। इस कार्यक्रम का संदेश स्पष्ट है कि प्रत्येक विद्यार्थी अपने जीवन के उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रयास तो करे ही, साथ ही साथ उन उद्देश्यों की प्राप्ति में आने वाले तनाव का सुव्यवस्थित ढंग से प्रबंधन करे। हम अपने आसपास देखते हैं कि कुछ विद्यार्थी परीक्षा का नाम सुनते ही भयभीत हो जाते हैं। कुछ परीक्षा पूर्व या परीक्षा के दौरान बीमार पड़ जाते हैं। कई विद्यार्थी तो निराशा, अवसाद आदि में चले जाते हैं। यही स्थिति विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके माता-पिता या अभिभावकों की भी होती है।

शिक्षा और सीखने के द्वारा उपरोक्त समस्याओं के तो उत्तर मिलने ही चाहिए, साथ ही साथ जीवन को आनंददायी तरीके एवं कुशलता से जीने के कौशल भी प्राप्त होने चाहिए। इस बारे में प्रधानमंत्री मोदी का कथन है कि "सीखना एक आनंददायक, संतुष्टिदायक और

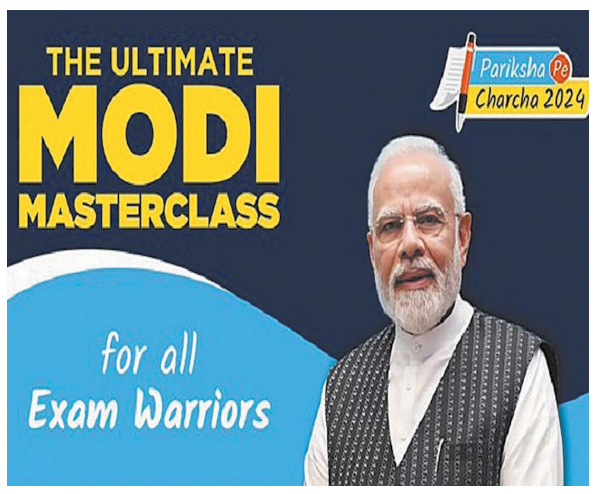

अंतहीन यात्रा होनी चाहिए। इसीलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 रट्टामार पद्धति से कहीं अलग एक ऐसी पद्धति है जिसमें छात्रों को उन्मुख करने का प्रयास है। जहां छात्र सिद्धांत से कम और व्यवहार से ज्यादा समझ सकें और अध्ययन के दौरान अधिक उत्सुकता और आनंद से अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। आनंददायी शिक्षा के लिए सबसे बड़ी बाधा परीक्षा ही प्रतीत होती है। परीक्षा पर गहराई से विचार करें तो यह विद्यार्थी जीवन में विद्यार्थियों के आकलन का केंद्र तो है, लेकिन साथ ही साथ विद्यार्थियों में तनाव पैदा करने का एक मुख्य स्रोत भी रही है। जबकि होना यह चाहिए कि परीक्षा केवल परीक्षा नहीं, सीखने की एक आनंददायक प्रक्रिया भी हो। जहां विद्यार्थी ने जो सीखा है एवं उसके अनुभव में जो वृद्धि हुई है. उसे उन अनुभवों के स्वतंत्र और व्यवस्थित अभिव्यक्ति के रूप में देखा जाये। प्रधानमंत्री मोदी जी इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में एक उन्मुक्त मंच पर विद्यार्थियों से अपनी बात रखते हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से तनाव न लेने की बात पर चर्चा होती है। तनाव को कम करने के व्यावहारिक माध्यम क्या हो सकते हैं? परीक्षा के प्रति विद्यार्थियों का दृष्टिकोण कैसा हो? आदि मुद्दों पर चर्चा भी प्रधानमंत्री करते हैं। कई कार्यक्रमों में सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि यही विद्यार्थी हमारे देश का भविष्य हैं और जब हमारे देश का भविष्य ही चिंताग्रस्त होगा, तनावग्रस्त होगा, या किसी अन्य प्रकार के मनोवैज्ञानिक दबाव में होगा तो ऐसी स्थिति में वह अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं दे सकता। विद्यार्थी को इस अवस्था से बाहर निकालने के लिए उन्होंने मुख्य रूप से शिक्षक, परिवार एवं अभिभावकों की भूमिका पर बल दिया है, जिससे छात्र मुस्कुराहट के साथ परीक्षा दे सकें।

कई बार ऐसा देखने में आता है कि अपनी महत्वाकांक्षा की छाया तले माता-पिता अपने बच्चों की तुलना किसी दूसरे बच्चे से करते हैं। स्वाभाविक है कि एक बच्चे के ऊपर इसका नकारात्मक असर पड़ेगा और वह परीक्षा से दूर भागेगा। कई बार शिक्षक भी कक्षा के दूसरे बच्चों से अध्ययन में कमजोर किसी बच्चे की तुलना करते हैं।

ऐसी स्थिति में वह बच्चा अध्ययन के प्रति उदासीन हो जाता है। ऐसी ही स्थितियों को टालने के लिए यह सशक्त मंच है। यह मंच शिक्षकों और माता-पिता के लिए भी एक संदेश है कि कैसे परीक्षा से निबटा जाए। यदि हमने बच्चों के अंदर परीक्षा के प्रति आत्मविश्वास जगाया और उसे इस बात का विश्वास दिलाया कि परीक्षा के परिणाम जो भी आएं इस परिणाम से उसे सीख कर तथा निरंतर आगे उत्तरोत्तर प्रगति करते रहना है तो वह बच्चा परीक्षा से दूर नहीं भागेगा। आज हम बड़े शहरों में देख रहे हैं कि परीक्षाओं की काउंसलिंग के नाम पर बड़े और महंगे सेंटर्स की भरमार है। ऐसी काउंसलिंग प्रधानमंत्री बड़ी सहजता के साथ बातचीत में ही करते चलते हैं। और यह भी सुखद है कि परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम आज केवल दिल्ली के ऑडिटोरियम तक सीमित नहीं रहा गया है। धीरे-धीरे इस कार्यक्रम ने संपूर्ण शिक्षा जगत एवं सभी हितधारकों को अपने साथ जोड़ा है। आज देश ही नहीं, दुनिया के कई देशों के छात्र और अभिभावक बड़े मनोयोग से इस कार्यक्रम का हिस्सा

संक्षिप्त समाचार

सहकारिता प्रकोष्ठ कार्यालय बाड़ी में मन कि बात का कार्यक्रम

चमकता राजस्थान। धौलपुर (रामदास तरुण) बाड़ी में सहकारिता प्रकोष्ठ कार्यालय बाड़ी में मन की बात का कार्यक्रम आयोजित विष्णु सिंघल (सनौरा वाले) जिला संयोजक सहकारिता प्रकोष्ट भाजपा के कार्यालय पर हुआ जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कई सारी बातों का उल्लेखन देश की जनता के प्रति देश को स्वच्छता से जोड़ना, देश को आत्मनिर्भर बनाना,महिलाओ का देश के कई हिस्सों में साझेदारी होना,कृषि में टेकनोलोजी को जोड़ना, भारत देश की जनता का मतदान में वृद्धि होना,देश के त्योहारों को ×खुशी से बनाना,गणतंत्र दिवस जेसे महापर्व में जनता का देश के प्रति मान सम्मान और उमंग उत्साह देखना,अयोध्या में श्री राम प्राण प्रतिष्ठा की शोभा यात्रा में जनता का हिन्दू धर्म की आस्था एवम विशवास और हर्ष उल्लास देखना और कई ऐसी बातों का उल्लेखन किया गया जिसमें देश की जनता का भरोसा देश को आगे बढाने के लिए किया गया इस मन की बात के कार्यक्रम में उपस्थित दिनेश मामा, रामवीर सिंह गुर्जर, दिनेश बागथरिय,गोपाल कोली,नरेश यादव,मुरारीलाल मित्तल, (क्ळ सहसंयोजक)शिप्रा गर्ग,आनन्द सिंघल, भगवान स्वरूप कुशवाह, लक्ष्मण सिंह, शुभम परमार,दीपक शर्मा,संतोष शर्मा,अंकुश बघेल,इ.छ प्रजापति,नितिन राजपुरोहित,सतीश प्रजापति,दिनेश गुर्जर,शैलेन्द्र सिंह आदि कार्यकर्त्ता एवम सामाजिक लोग मौजूद थे

डॉ.बी.आर.अंबेडकर की प्रतिमा का हुआ अनावरण

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह) जिले के भुसावर तहसील गांव छौकरवाडा एनएच संख्या 21पर स्थित एक माह पहले 3 दिसम्बर रात को असामाजिक तत्वों ने बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा को खंडित कर दिया था। जिसको समाज के सहयोग द्वारा जाटव समाज ने बाबा साहब डॉ बीआर अंबेडकर की प्रतिमा को दोबारा से स्थापित कर 26 जनवरी को मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री भजनलाल जाटव विशिष्ट अतिथि सीओ सीताराम बैरवा,संचालक कर्ता अध्यक्ष इंजी.दिलीपसिंह रहें। गिरधारी लाल अध्यापक, वीर बहादुर अध्यापक भीम आर्मी टीम अध्यक्ष राजू भुसावर पुष्पेन्द्र कौशल, हाकिम, सतीश, नरेश हतीजर, व बाबा साहब डा बीआर अंबेडकर के जीवन कृतित्व को गायक कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के पद चिन्हों पर चलने के लिए लोगों को आ''ान किया।इस मौके पर जाटव समाज के गांव छौकरवाडा कला खेमसिंह, भूपचंद, राजवीर, रवींद्र, हरिशंकर, नीतेश, सतीश, अमित, धर्मसिंह, डॉ रवींद्र, डॉ धर्मेंद्र डॉ जितेंद्र, रवि भंडारी, विमल भंडारी एवं समस्त ग्राम वासी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सांसद भागीरथ चौधरी ने पीएम नरेंद्र मोदी के 109संस्करण में मन की बात कार्यक्रम को सुना सबके साथ

चमकता राजस्थान। किशनगढ़,!(शंकर शर्मा)किशनगढ़ ,किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष एवं अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी ने सांसद आवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 109 वें संस्करण के संबोधन को पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ सुनी मन की बात।सांसद चौधरी ने बताया कि मन की बात कार्यक्रम हमें समाज में एक नवीन सकारात्मक सोच के साथ बदलाव एवं राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए प्रेरित करता है।एवम सांसद निवास पर क्षैत्र वासीयों की समस्याएं सुनकर तत्काल संबंधित विभाग के अधिकारियों को उनकी समस्याओं का निस्तारण कर राहत देने के निर्देश दिए

सूखे राजस्थान की बजाय हरे-भरे राजस्थान की परिभाषा शीघ्र परिलक्षित होगी : रावत

शीघ्र ही ईआरसीपी परियोजना को राजस्थान के धरातल पर उतारने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है

राजस्थान में पेयजल की समस्या और सिंचाई की समस्या से निजात दिलाने की नई उम्मीद का दीपक जला दिया है डबल इंजन सरकार ने

चमकता राजस्थान

श्रीनगर!(रघुनंदन पारीक) पुष्करईआरसीपी की सौगात देने के लिए प्रदेशवासी करेंगे कल जयपुर एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री का अभिनंदन, साथ ही इन 13 जिलेवासियों द्वारा खुशी में की जा रही भव्य आतिशबाजियाजल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बताया कि, रविवार को राजस्थान सरकार और मध्य प्रदेश सरकार के बीच पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना का एमओयू हस्ताक्षरित हुआ। दोनों जिलों में इस परियोजना से चंबल के पानी को राजस्थान में लाने की ड्राइंग, वित्तीय भार एवं संसाधनो आदि पर सहमति हो चुकी है। ईआरसीपी परियोजना विगत कई दशकों से लंबित चल रही थी। यह परियोजना राजस्थान के 13 जिलों के लिए जीवन दायिनी साबित होगी। इसके तहत पार्वती - काली सिंध - चंबल नदी के लिंक के रूप में पानी राजस्थान के 13 जिलों में सिंचाई और पेयजल के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। जिससे आगामी वर्षों में हमारे प्रदेश के ₹सूखे राजस्थान₹ की बजाय ₹हरे-भरे राजस्थान₹ की परिभाषा शीघ्र परिलक्षित होगी।रावत ने बताया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजस्थान के संवेदनशील मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पदभार ग्रहण करते ही सर्वप्रथम इस योजना में आ रही कठिनाइयों की तरफ ध्यान आकर्षित किया शीघ्र ही इस परियोजना को राजस्थान के धरातल पर उतारने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है।

जल संसाधन मंत्री रावत ने यह भी बताया कि, उक्त परियोजना की ड्राइंग में पूर्व में अजमेर जिले के आमजन के हितों की अनदेखी की गई थी। जिसके लिए मीटिंग में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देशित करते हुए ड्राइंग में व्यापक परिवर्तन करवाया गया और अजमेर जिले के अनेकों तालाबों, बांधों को भी जुडवाया गया है। । इस हेतु ड्राइंग में आवश्यक परिवर्तन करवाए जा चुके हैं।जल संसाधन मंत्री रावत ने

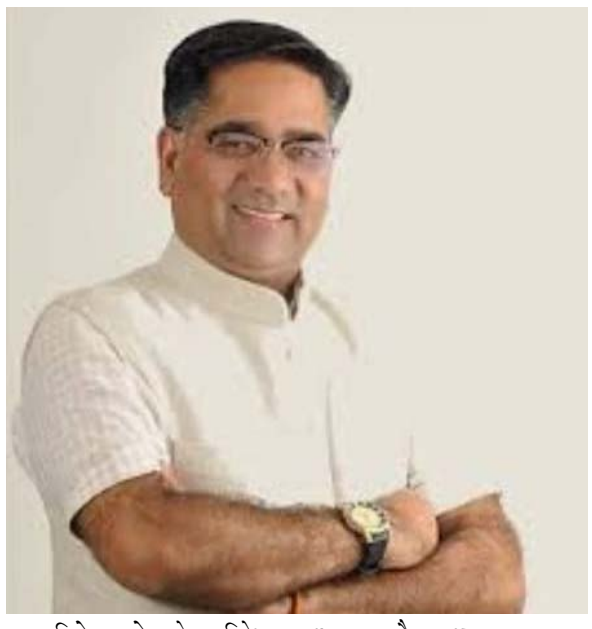

इस परियोजना के प्रदेश परिप्रेक्ष्य तहत बताया कि, पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना राजस्थान की सबसे बड़ी नहर परियोजना है। इसके तहत पूर्वी राजस्थान के 13 जिले झालावाड़, बारां, कोटा, बूंदी, सवाईमाधोपुर, करौली, धौलपुर, भरतपुर, दौसा, अलवर, जयपुर, अजमेर एवं टोंक को पेयजल और 2,80,000 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। इस परियोजना से कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी और किसानों की आय बढ़ेगी। साथ ही, इस

- **बहु प्रतिशत पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के तहत चंबल का पानी पहुंचाया**
- **अजमेर जिले के मुहानी, कायड़, सिंगला जैसे प्रमुख तालाबों और बांधों से होते हुए पवित्र पुष्कर सरोवर**

परियोजना से रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। हमारा राजस्थान प्रदेश शीघ्र से शीघ्र ₹सूखे राजस्थान₹ के बजाय ₹हरे-भरे राजस्थान₹ के रूप में विकसित हो सके।

इस परियोजना पर दोनों राज्यों की सरकारों के बीच ओएमयू की सूचना प्राप्त होते ही पूरे प्रदेश और अजमेर जिले को अपना पूरा सम्मान और हक मिलने की सूचना प्राप्त होते ही पूरे प्रदेश वासियों और अजमेर जिले वासियों द्वारा जल संसाधन मंत्री रावत को दूरभाष पर आभार ज्ञापित किए जा रहे हैं। ईआरसीपी से संबंधित सभी 13 जिलेवासियों द्वारा भव्य आतिशबाजियां करके जश्न मनाया जा रहा है। प्रदेश सहित पूरे अजमेर जिले और पुष्कर विधानसभा क्षेत्र में इस सूचना से एक हर्ष की लहर दौड़ पड़ी है। अब पीने के पानी और सिंचाई के पानी की समस्या से शीघ्र निजात मिलने की खुशी में किसानों और आमजन के चेहरों पर प्रसन्नता चमक उठी है। प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री भजनलाल और जल संसाधन मंत्री रावत ने संपूर्ण प्रदेश वासियों को पेयजल की समस्या और सिंचाई की समस्या से निजात दिलाने की नई उम्मीद का दीपक जला दिया है। अतिशीघ्रता से इस लंबित प्रकरण की सारी बाधाएं समाप्त कर प्रदेश वासियों को सौगात देने की इस खुशी में सभी 13 जिलों के विधायकगण, भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्तागण एवं किसान भाई कल सुबह दिल्ली से जयपुर आ रहे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का जयपुर एयरपोर्ट पर भव्य अभिनंदन करेंगे धन्यवाद ज्ञापित करेंगे।

वाई.एन.अस्पताल में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ बेटी बसाओं प्रकल्प के तहत 50 प्रसूताओं को जरूरी सामग्री के किट किए वितरण

चमकता राजस्थान

किशनगढ़!(शंकर शर्मा)भारत विकास परिषद शाखा किशनगढ़ द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ बेटी बसाओ प्रकल्प के अंतर्गत रविवार को अपराह्न 3:30 बजे यज्ञनारायण चिकित्सालय में 50 प्रसुताओं को जरूरत की सामग्री का वितरण किया गया। किट जिसमें घी का डिब्बा, दलिया का पैकेट, नवजात शिशु की पोशाक, सेनेट्री नैपकिन आदि थे । कार्यक्रम की शुरुआत मां भारती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्रपट पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात वंदेमातरम गीत का सामुहिक रूप से गायन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुरेंद्र सिंह मेहनोत थे और विशिष्ट अतिथि के तौर पर यज्ञनारायण चिकित्सालय के पीएमओ डाक्टर राजकुमार जैन थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाविप

के प्रान्तीय महासचिव गोविंद अग्रवाल ने की, साथ ही मंच संचालन प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार बंसल के द्वारा किया गया। परिषद अध्यक्ष भरत सराफ ने बताया की बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और बेटी बसाओ कार्यक्रम के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण और महिला जागरूकता के प्रति यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम प्रभारी तनु मेंघानी ने बताया की कार्यक्रम में परिषद सदस्य ओमप्रकाश मैनावत, पवन अग्रवाल, गिरधर अमरवानी, गौतम कोटेचा, कैलाश चन्द अग्रवाल, भगवान स्वरूप बाहेती, एवं विशेष रूप से मातृ शक्ति नेहा सराफ, ललिता सारडा, इंदु अग्रवाल, पुष्पा अरोडा, बबीता संचेती, श्रीमती प्रेम देवी कोटेचा, श्रीमती उषा मेहनोत आदि सदस्य उपस्थित हुए थे ।भारत विकास परिषद के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की अस्पताल परिषद में मौजूद नागरिकों एवम कर्मचारियों मरीजों ने प्रसंशा करते हुए स्वागत योग्य कदम बताया इससे समाज में बेटियों के प्रति संवेदनशील भावनाओं का विकास होगा।

उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए वरिष्ठ पत्रकार शशिकांत शर्मा को किया सम्मानित

चमकता राजस्थान। वैर (राजवीर सिंह)। ब्लॉक स्तरीय 75वें गणतंत्र दिवस समारोह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में उल्लास एवं उमंग के साथ मनाया गया कार्यक्रम में ब्लॉक स्तर पर वरिष्ठ पत्रकार शशिकांत शर्मा को उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए उपखंड अधिकारी ललित मीणा की ओर से तहसीलदार सुरेंद्र आर्य, विकास अधिकारी मुरारी गौतम, नगर पालिका अध्यक्ष विष्णु महावर, विद्यालय के प्राचार्य पुष्पेंद्र सिंह ने सम्मानित किया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकार गोपाल राम पाठक, नीरज शर्मा, सहित 43 व्यक्तियों को उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित किया गया।

महात्मा गांधी विद्यालय कृष्णा नगर किशनपुरा भरतपुर में 75 वाँ गणतंत्र दिवस समारोह मनाया

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह)। महात्मा गांधी विद्यालय कृष्णा नगर किशनपुरा भरतपुर में 75 वा गणतंत्र दिवस समारोह मैं आज के कार्यक्रम के मुख्य अथिति प्रधानाचार्य विमल कुमार, बसपा जिला प्रभारी जगन सिंह किशनपुरा, एसएमसी अध्यक्ष पोखन सिंह, बच्चू सिंह वैध आदि मंच पर विराजमान अतिथियों का साफा एवं पुष्पमाला पहनकर जोरदार स्वागत सम्मान किया! एवं विद्यालय परिवार की छात्र-छात्राओं के द्वारा बड़े मनो योग के साथ डांस प्रतियोगिता, देश भक्ति गीत,अन्य अच्छी - अच्छी प्रस्तुतियां छात्र-छात्राओं के द्वारा दी गयीं! बड़े ही उत्साह पूर्वक मनाया गया एसएमसी कमेटी द्वारा पांच नवनियुक्त अध्यापकों का सम्मान व बच्चों को पुरस्कार वितरण व एमडीएम के बच्चों को भोजन के लिए एसएमसी अध्यक्ष द्वारा 90 थालियो का वितरण किया गया।

कोटा में स्पा सेंटर पर छापा, संदिग्ध गतिविधियां मिलने पर चार युवतियों सहित नौ लोग गिरफ्तार

चमकता राजस्थान

कोटा। गुमानपुरा थाना पुलिस ने एक स्पा पार्लर पर छापा मारकर 4 लड़कियों सहित 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। गुमानपुरा पुलिस ने एक सप्ताह के भीतर ऐसी दूसरी कार्रवाई की है।एसपी शरद चौधरी ने बताया कि शहर में अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली थी कि गुमानपुरा क्षेत्र में मल्टीपरपज स्कूल के सामने तत्व बोर्ड व लाइफ

स्पा सेंटर पर अवैध गतिविधियां चलने की सूचना मिली थी। मसाज की आड़ में यहां पर अनैतिक काम होने की जानकारी थी। इस सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छापा मारा।कार्रवाई के दौरान स्पा सेन्टर के खुले हुए दरवाजे से अंदर देखा तो वहां चार लड़कियां व पांच युवक मिले। इनकी गतिविधियां संदिग्ध थीं। इस पर इन सभी युवक-युवतियों को पकड़कर थाने लाया गया। यहां पूछताछ के बाद इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। एसपी शरद चौधरी ने बताया कि गुमानपुरा पुलिस ने एक सप्ताह के अंदर यह दूसरी कार्रवाई की है। इससे पहले दादाबाड़ी में भी एक स्पा पार्लर में देह व्यापार का भंडाफोड़ किया था।

एसडीआरएफ ने नेगडिया पुलिया के समीप बीसलपुर बांध में डूबे 31 वर्षीय व्यक्ति के शव को बरामद करने में सफलता प्राप्त की

एसडीआरएफ निरंतरता से आपदा सेवार्थ कटिबद्धता को किया जमीनी स्तर पर चरितार्थ : अवनीश कुमार शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) । दिनांक 28.01.2024 को प्रातः 11:20 बजे पुलिस कन्ट्रोल रूम जिला टोंक से एस.डी.आर.एफ. राजस्थान कन्ट्रोल रूम जयपुर को सूचना मिली कि पुलिस थाना देवली जिला टोंक के अन्तर्गत नेगडिया पुलिया के समीप बीसलपुर बांध में एक व्यक्ति डूब गया है, अतः आप एक रेस्क्यू टीम आवशयक साजो सामान के साथ अविलम्ब घटनास्थल के लिए भेजे।प्राप्त सूचना परएस.डी.आर.एफ. कन्ट्रोल रूम द्वारा कमाण्डेन्ट अवनीश कुमार शर्मा के निर्देशानुसार आपदा राहत

एवं बचाव हेतु एसडीआरएफ ई कम्पनी मुख्यालय, अजमेर में तैनात रेस्क्यू टीम प्रभारी हैड कानि० बजरंग सिंह को अविलम्ब घटनास्थल के लिए रवाना होने के निर्देश दिए। रेस्क्यू टीम प्रभारी 11 जवानों की टीम तथा आपदा राहत उपकरणों के साथ प्रातः 11:30 बजे घटनास्थल के लिए रवाना हुए। दोपहर 01:45 बजे घटनास्थल पर पहुँचकर टीम कमाण्डर ने स्थिति का जायजा लिया तथा एसडीआरएफ कमाण्डेन्ट को बताया कि पुलिस थाना देवली जिला टोंक के अन्तर्गत नेगडिया पुलिया के समीप बीसलपुर बांध में एक व्यक्ति डूब गया है, उक्त व्यक्ति की तलाश हेतु स्थानीय प्रशासन एवं सिविल डिफेन्स की टीम द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे है, किन्तु अभी तक सफलता नहीं मिल पायी है। बांध कई किलोमीटर में फैला

हुआ है। एसडीआरएफ राजस्थान कमाण्डेन्ट ने टीम कमाण्डर को आवशयक दिशा-निर्देश दिये एवं लोकेश सोनवाल डिप्टी कमाण्डेन्ट तथा उर्मिला राज कम्पनी कमाण्डर को ऑपरेशन के टीम कमाण्डर के निर्देश पर रेस्क्यू टीम के जवानों फूलचन्द, भरतलाल धर्मेन्द्र, मुकेश कुमार गोविन्द नारायण, धीरेन्द्र कुमार, सुरेश कुमार, चौथमल, सुरेन्द्र कुमार, विनोद कुमार तथा नरसीराम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। सबसे पहले रेस्क्यू टीम ने मोटर बोट को तेज गति से चलाकर बीसलपुर बांध के पानी को हिलाया। उसके बाद बांस, बिलाई, लाईफ बॉय तथा रेस्क्यू रोप की सहायता से गहन सर्च किया। अल्प समय में ही दोपहर 02:45 बजे टीम को सफलता प्राप्त हुई। टीम ने बांध में डूबे व्यक्ति राजेन्द्र सिंह पुत्र जी० एल० कटारिया उम्र 31 वर्ष निवासी डी 37 तिलक नगर पुलिस थाना देवली जिला टोंक के शव को बरामद कर स्थानीय प्रशासन को सुपुर्द किया।एसडीआरएफ रेस्क्यू टीम ने अल्प समय में ही बांध में डूबे व्यक्ति के शव को बरामद कर एसडीआरएफ के स्लोगन ₹आपदा सेवार्थ कटिबद्धता₹ को पूर्णरूप से चरितार्थ किया है।मौके पर मौजूद स्थानीय प्रशासन के अधिकारी गोविन्द जाटव उपखण्ड अधिकारी सुरेश कुमार पुलिस उपाधीक्षक, भंवरलाल थानाधिकारी देवली मय जाप्ता तथा स्थानीय नागरिकों ने एसडीआरएफ को धन्यवाद दिया तथा रेस्क्यू टीम के कार्य की सराहना की।

भारत की विदेश नीति का कमाल: फ्रांस के राष्ट्रपति को पहुंचाया निजामुद्दीन के आस्ताने पर

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के रूप में क्लार्क्स आमेर में वैश्विक साहित्यिक की भव्यता का उत्कृष्ट संगम का हुआ आगाज

चमकता राजस्थान

जयपुर।(खलील कुरैशी) विश्व के सबसे बड़े साहित्य उत्सवों में से एक, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के लिए होटल क्लार्कस आमेर एक शांत पृष्ठभूमि में साहित्य, कला और प्रकृति का संगम और बौद्धिक आदान-प्रदान के लिए उत्कृष्ट मंच है। जेएलएफ के जयपुर म्यूजिक स्टेज (जेएमएस) के अनुरूप, प्रतिष्ठित होटल एक दशक से फेस्टिवल से जुड़ा हुआ है, और तीन वर्षों से इस प्रतिष्ठित फेस्टिवल की मेजबानी कर रहा है। होटल ने इस फेस्टिवल को आकार देने और साहित्य एवं कला प्रेमियों के लिए इसे यादगार अनुभव बनाने में एक अभिन्न भूमिका निभाई है। इस फेस्टिवल के साथ-साथ होटल का विकास हुआ है जहां संस्कृति, कार्यक्षमता सौंदर्य मिश्र रूप से देखा जा सकता है। प्रख्यात फूड और ट्रैवल राईटर, धर्मेंद्र कंवर ने कहा, ₹क्लास में सभी लोग जिस गर्मजोशी से आपका स्वागत करते हैं वह अवर्णनीय है। मैं होटल के विभिन्न रेस्टोरेंट्स में अक्सर जाती रहती हूं और जब लोग आपको आपके नाम से पुकारते हैं और स्वागत करते हैं, वह हमेशा सुखद ऐहसास होता है। क्लाक्र्स एक जन-केंद्रित प्रतिष्ठान हैं और वास्तव में अतिथि संबंधों को महत्व देते हैं। मैं इस वर्ष भी क्लार्कस में जेएलएफ में भाग लेने के लिए उत्सुक हूं।₹ पिछले कुछ वर्षों में, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल एक सांस्कृतिक उत्सव के रूप में विकसित हुआ है, और क्लास आमेर इस आयोजन में अपनी भव्यता और योजना के साथ एक मजबूत सहयोग प्रदान करने में सक्षम रहा है। हरे-भरे क्लास परिसर में स्थित, फेस्टिवल क्षेत्र गहन और दिलचस्प सत्रों का मार्ग प्रशस्त करता है। इस वर्ष, फेस्टिवल में व्यक्तिगत सत्रों के लिए भी स्थानों का भी विस्तार किया गया है।टूरिज्म एक्सपर्ट और लेखिका, तृप्ति पांडे ने कहा, ₹जेएलएफ के लिए एक बड़ा स्पेस होना बहुत महत्वपूर्ण था। क्लास एक बड़ा स्थान होने के साथ-साथ हरा-भरा वातावरण प्रदान करता है, जो फेस्टिवल का आनंद उठाने के लिए लोगों के लिए वेन्यू को सुलभ बनाता है और साथ ही सत्रों को बेहतर ढंग से संचालित करने में मदद करता है। जहां आप बिना धक्का-मुक्की के या बिना भीड़ में अटके खुली सांस लेते हुए फेस्टिवल को एन्जॉय कर सकते हैं। साथ ही, कार्यक्रम स्थल तक पहुंचना भी आसान है और उचित पार्किंग की व्यवस्था भी है।₹जेएलएफ और क्लार्क आमेर के बीच यह संबंध इस बात की कहानी बयां करता है कि इन दोनों के बीच कितना गहन जुड़ाव है। पिछले कुछ वर्षों में आयोजन स्थल का पैमाना बढ़ा है, यहां तक कि पार्किंग क्षेत्र भी अपने आप में एक जीवंत स्थल बन गया है। स्थान की योजना कार्यक्षमता और सौंदर्यशास्त्र के मिश्रण को दर्शाती है, जो एक फेस्टिवल के विस्तार और उसके साथ-साथ इसके साथ-साथ इसके साझेदारों के विकास पर भी प्रकाश बलती है। इस वर्ष, फेस्टिवल को 'जीरो-वेस्ट' बनाने का जेएलएफ का लक्ष्य पूरी तरह से क्लास की सस्टेनेबल प्रैक्टेसिस के साथ संरेखित है, जैसे प्लास्टिक का उपयोग न करना, वहां के डाइनिंग स्पेस में 'फार्म टू फोर्क'कॉन्सेप्ट जो और एकड़ों में फैली प्रकृति, अनुभव को और खास बनाएगा। क्लास ग्रुप ऑफ होटल्स के प्रबंध निदेशक और जयपुर विरासत फाउंडेशन (जेवीएफ) के ट्रस्टी, अपूर्व कुमार ने कहा, ₹सांस्कृतिक आतिथ्य के संरक्षक के रूप में, क्लार्कस रूप ऑफ होटल्स आगामी जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल की मेजबानी करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा है। हमारे इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ होटल कर्मी भी इस तरह के महत्वपूर्ण और सांस्कृतिक उत्सवों को आयोजित करने में बहुत अनुभवी और कुशल हैं। हम शहर और फेस्टिवल में आने वाले मेहमानों के लिए जेएलएफ का 17वां संस्करण यादगार बनाने की उम्मीद करते हैं।₹ इस फेस्टिवल ने न केवल क्लास आमेर की भव्यता को और चार चांद लगाए हैं, बल्कि आयोजन स्थल को और भी अधिक गतिशील और बहुआयामी स्थान बनाने में भी योगदान दिया है। क्लास आमेर ने लेखकों, मेहमानों और फेंड्स ऑफ द फेस्टिवल के आराम और सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशाल लाउंज तैयार किए हैं। बाज़ार और रेस्टोरेंट कियोस्क के पास अब एक क्षेत्र निर्धारित किया गया है, जो साहित्यिक कार्यक्रमों के निर्वाध प्रवाह और आगंतुकों के लिए एक सुविधाजनक अनुभव सुनिश्चित करता है।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी मृत्यु प्रमाणपत्र बनाकर जमीन हड़पने का मामला हुआ उजागर

- संरपंच सहित तीन जनो के खिलाफ कोर्ट के इस्तगासा के जरिए थाने मे मामला दर्ज

चमकता राजस्थान फुलेरा (नि.स.)। नागोर जिले के एक जने ने न्यायालय के इस्तगासा के जरिए ग्राम पंचायत श्रीरामपुरा के तत्कालीन संरपंच सहित अपने तीन रिश्तेदारो पर फर्जी मृत्यु प्रमाणपत्र बनाकर कर षडयंत्र रचकर जमीन हड़पने का आरोप लगाकर नरेना थाने मे मामला दर्ज करवाया । परिवादी उगमसिंह पुत्र जालम सिंह निवासी आकेलीबी पुलिसथाना कुचेरा जिला नागोर के मुताबिक उसकी दत्तकमाता स्व. ज्ञानकवर व दत्तक मामा स्व० शेरसिंह की जमीन फर्जी ग्राम सोलावता, तहसील सांभर लेक जिला जयपुर मे कृषि भूमि खसरा नम्बर 92/2 , 96, 97, 98 कुल कुल रकबा 9.1297 हैक्टेयर है, जिसके 1/2 हिस्से एंव खसरा नम्बर 189, 199, 232 व 248 कुल किता 4 कुल रव 4.8178 हैक्टेयर भूमियों की खातेदारी व काश्तकारी प्रार्थी की दत्तक माता स्व ० ज्ञानकुंवर माता के भ्राता शेर पुत्र तेज सिंह निवासी सोलावता के नाम से सैटलमेन्ट के समय से राजस्व रिकोर्ड मे दर्ज व अंकित हो रखी है । शेरसिंह इस भुमि पर सैटलमेन्ट के समय व इससे पूर्व से ही अपनी उक्त वर्णित भूमि पर काबिज होकर काश्त करते आ रहे है, शेर सिंह अविवाहित नाऔलाद होने व अन्य कोई सगा सम्बन्धी नहीं था वह अक्सर बीमार रहता था तथा सेवा सुश्रूषा करने वाला नहीं होने से वह प्रार्थी की दत्तक माता ज्ञानकंवर उर्फ गेंदा कंवर ग्राम आकेलीबी तहसील डेगाना मे एकमात्र बहन के ससुराल मे ही रहने लगाया था। दिनांक 19 जून 1982 को शेरसिंह का देहांत के बाद प्रार्थी की दत्तक माता समय समय पर ग्राम सोलावता आकर अपने भाई स्वर्गीय शेर सिंह की खातेदारी कृषि भूमि की देखभाल करती रहती थी। ओरणप्रार्थी की माताजी का अचानक स्वर्गवास दिनांक 08 सितम्बर 1993 को हो गई। यह कि जून- जुलाई 20 प्रार्थी को जानकारी प्राप्त हुई कि जीवन सिंह पुत्र शेर सिंह पौत्र ईश्वर सिंह जोकि राजकीय प्राथमिक विद्यालय ग्राम सोलावता मे लगभग 40 वर्ष तक अध्यापक के पद पर कार्यरत था । उसने अपने पिता शेर सिंह पुत्र ईश्वर सिंह के नाम फायदा उठाकर और वह जानते हुये कि शेर सिंह पुत्र तेज सिंह निवासी सोलावता की उक्त कृषि भूमि खाली पड़ी है को प्रार्थी के मामा शेरसिंह पुत्र तेज सिंह का फर्जी मृत्यु प्रमाण व फर्जी सिजरा खानदान तत्काल सरपंच मोहन लाल बधाला से मिलीभगत कर जीवण सिंह पुत्र शेरसिंह ने अपने व खुद की पत्नी तोपकंबर, पुत्री दशरथ कंवर केनाम के नाम करवा लिया ।

अहले इस्लाम इजतिमाई निकाह सम्मेलन की जानिब से किया गया सम्मेलन

- पांच जोड़ों अदा की निकाह की पाक सुन्नत , हमसफ़र बनकर बंधें वैवाहिक सुत्र में

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)गंगापुर सिटी। 27 जनवरी को अहले इस्लाम का सम्मेलन कमेटी की जानिब से सदर थाने के सामने अलीगंज चौराहा हाजी फार्म हाउस पर हाजी जमील का अब्बासी की तरफ अहले इस्लाम इजतिमाई निकाह सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें 5 जोड़े ने निकाह कबूल किया। सभी जोड़े लड़की पक्ष हिंडौन से थे और लड़के पक्ष गंगापुर सिटी एवं करौली के थे। अहले इस्लाम निकाह सम्मेलन कमेटी के सदर हाजी जमील खां अब्बासी ने कहा कि आज इस महंगाई के दौर में समाज की कमर तोड़ रखी है समाज के अंदर नई-नई रीति रिवाजें और ऊपर से महंगाई का दबाव जिसके कारण गरीब लोगों का जीना दुश्वार हो रहा है ऐसी स्थिति में हमने सम्मेलन का रास्ता चुना है कि गरीबों की बच्ची सम्मेलन के अंदर निकाह करवाकर विदा की जाए ताकि समाज कर्जदार ना बने और अपने बच्चों बच्चियों का निकाह कर अपनी जिम्मेदारी से फारिग हो सके। इस मौके पर सैकड़ो लोगों ने निकाह में शिरकत की।

सबका साथ सबका विकास की भावना के साथ होगे क्षेत्र में विकास कार्य: डॉ. कैलाश वर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) । विधानसभा क्षेत्र बगरू के विधायक डॉ. कैलाश वर्मा रविवार को विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहे और विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत की। ग्राम पंचायत सिरोली में बूथ संख्या 137 पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ₹मन की बात₹ कार्यक्रम को सांसद रामचरण बोहरा एवं विधायक डॉ कैलाश वर्मा ने कार्यकर्ताओं के साथ सुना?। विधायक डॉ वर्मा ने बताया कि मन की बात कार्यक्रम को सुनकर न केवल नवीन ऊर्जा का संचार होता है बल्कि सेवा कार्य को श्रेष्ठता की ओर अग्रसर करने की प्रेरणा भी मिलती है। इसके साथ ही ज्वाला माताजी मंदिर, सिरोली में नवनिर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण सांसद रामचरण बोहरा एवं विधायक डॉ कैलाश वर्मा के द्वारा किया गया। इसके पश्चात विधायक डॉ वर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दांतली एवं श्री राम की नांगल में आयोजित वार्षिकोत्सव कार्यक्रमों में उपस्थित रहे। इस दौरान विधायक ने कहा कि बगरू विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों में कोई कसर नही छोड़ी जाएगी एवं प्रदेश की सरकार आमजन की सरकार है जो कि आमजन के सुख व समस्या समाधान के लिए सदैव तत्पर है। नागरिकों की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षा, चिकित्सा, सड़क, बिजली व पानी सम्बन्धित समस्याएं जो भी प्राप्त हो रही है उनका प्राथमिकता के साथ समाधान कराने का लक्ष्य है ताकि आमजन के समय व श्रम की बचत हो एवं सुशासन स्थापना के संकल्प की पूर्ति हो। विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, मातृशक्ति, गणमान्य नागरिक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चांदपोल बाजार व्यापार मंडल एवं धार्मिक चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से पौष बड़ा-भजन कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन

हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य महाराज रहे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी)। चांदपोल बाजार व्यापार मंडल एवं धार्मिक चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से पौष बड़ा और भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर व्यापार मंडल अध्यक्ष सुभाष गोयल, महामंत्री घनश्याम भूतड़ा, कार्यक्रम संयोजक विजय अग्रवाल, ने बताया कि आयोजन मंदिर श्री चतुर्भुज की खजूर चांदपोल बाजार में किया गया। भगवान चतुर्भुजजी को पौष बड़ा का भोग लगाया और भजन कीर्तन किया गया।कार्यक्रम में उपाध्यक्ष कृष्ण अवतार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अचल जैन, रामकिशन टेकड़ीवाल, प्रचार मंत्री सुरेश बेलानी, अशोक अग्रवाल, गोविंद शर्मा, हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य, जयपुर व्यापार महासंघ के महामंत्री सुरेंद्र बज, त्रिपोलिया बाजार व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता, महामंत्री सत्येंद्र रस्तोगी, हवा महल बाजार व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रकाश सिंह, चौड़ा रास्ता व्यापार मंडल अध्यक्ष सौभाग मल अग्रवाल, नाहरगढ़ रोड व्यापार मंडल अध्यक्ष मितंर सिंह राजावत, घोड़ा निकास रोड व्यापार मंडल अध्यक्ष गुलाब चंद श्रीमाल, सहित अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

राहुल गांधी की न्याय यात्रा जलपाईगुड़ी से हुआ भव्य आगाज

- ममता और राहुल की मुलाकात हो सकती है; आज बिहार पहुंचेगी यात्रा

चमकता राजस्थान। कोलकाता।(एजेंसी) दो दिन के ब्रेक के बाद कांग्रेस की न्याय यात्रा रविवार को फिर जलपाईगुड़ी से दोपहर 2:30 बजे से शुरू हो गई। यात्रा ने 25 जनवरी को असम से पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में प्रवेश किया था। यहां रोड शो करने के बाद राहुल नई दिल्ली रवाना हो गए थे। सुबह 11:30 बजे वे बागडोगरा एयरपोर्ट * पहुंचे। सूत्रों के मुताबिक, बिहार में नीतीश कुमार के वापस एनडीए के साथ जाने के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी और राहुल गांधी की मुलाकात हो सकती है। ममता ने कुछ दिन पहले ये बंगाल में लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा की थी। इसके बाद इस मुलाकात को अहम माना जा रहा है। ममता बनर्जी ने 24 जनवरी को लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा की थी। इसी दिन एक रोड एक्सीडेंट में उन्हें चोट लगी थी। इसके बाद सोनिया गांधी ने फोन कर उनका हालचाल लिया था। सूत्रों के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच सीट शेयरिंग पर एक बार फिर बातचीत को लेकर सहमति बन सकती है। उधर, कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि जलपाईगुड़ी में राहुल गांधी और यात्रा के पोस्टर फाड़ दिए गए। 29 जनवरी को बिहार में प्रवेश करने से पहले न्याय यात्रा बंगाल के जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, उत्तर दिनाजपुर और दार्जिलिंग जिलों से होकर गुजरेगी।

जयपुर में किडनैप कर युवक से लूट कार में डालकर बनाया बंधक, चाकू की नोंक पर बनाया वीडियो

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)। जयपुर में किडनैप कर एक युवक से लूट कामामला सामने आया है। पता पूछने के बहाने कार में डालकर उसे बंधक बनाया गया। चाकू की नोंक पर गलत बुलवाकर वीडियो बनाया गया। हजारों रुपए लूटने के बाद वीडियो वायरल और जान से मारने की धमकी देकर छोड़कर बदमाश फरार हो गए। मानसरोवरथाने में पीड़ित ने कार सवार बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाईहै। एसआई सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि चूरू निवासी मोहित सिंह(20) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वह कटेवा नगर मानसरोवर में किराए से रहता है। 25 जनवरी को रात करीब 10 बजे वह गुर्जर की थड़ी पर मेडिसिन लेने गया था। वापस लौटते समय पास में एक कार आकर रुकी। कार सवार युवक ने उसको मानसरोवर जाने का पता पूछा। पता बताने पर जहां तक जा रहे है, वहां तक साथ चलने की रिक्वेस्ट कर कार में बैठा लिया। कार में बैठते ही तीन लड़के ओर गेट खोलकर बैठ गए। चलती कार में मारपीट कर उसको बंधक बना लिया। चाकू की नोंक पर उसका मुंह बांधकर मोबाइल छीन लिया। बैंक अकाउंट से हजारों रुपए निकालकर लूट लिए।चाकू की नोंक पर गलत बुलवाकर उसका वीडियो बनाया। कम्पलेंड करने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी। जान से मारने की धमकी देकर रात करीब 1 बजे कार से उतारकर फरार हो गए।

बिरला सभागार में आयोजित हुआ अस्थमा रोगियों के संदर्भ में अभिनव जागरूकता कार्यक्रम 'आई लव क्लीन एयर'

चमकता राजस्थान

जयपुर। (खलील कुरैशी) डबल्यूएचओ ने अधिकतम प्रदूषण स्तर 10 यूजी निश्चित कर रखी है लेकिन भारत में यह स्तर नौ गुना ज्यादा यानी 90यूजी तक है। इसे अब भगवान ही ठीक कर सकते हैं। अस्थमा के मरीजों ने रविवार को बिरला सभागार में आयोजित कार्यक्रम 'आई लव क्लीन एयर' में भगवान से यह अनोखी प्रार्थना की। भगवान के साथ ही सभी मरीजों ने जनता, सरकार और वैज्ञानिकों से भी अस्थमा की रोकथाम में उनके द्वारा किए जाने वाले प्रयासों के लिए प्रार्थना की। वरिष्ठ श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ. वीरेंद्र सिंह, डॉ. शितू सिंह और डॉ. निष्ठा सिंह ने यहां मौजूद करीब एक हजार मरीजों को अस्थमा के साथ जीने की कला सिखाई। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि हम रोज एक किलो भोजन, 3 लीटर पानी और 13 किलो हवा लेते हैं। भोजन ने एक छोटा सा कंकर आने, थोड़ा भी गंदा पानी पीने में आ जाए तो परेशान हो जाते हैं लेकिन 24 घंटे दूषित हवा लेते हैं, उस पर कोई चिंता नहीं करते। इसके लिए हमने अस्थमा पेशेंट्स के साथ मिलकर जनता, सरकार, वैज्ञानिकों और भगवान से अस्थमा को बढ़ाने वाले कारकों को खत्म करने की प्रार्थना की। इस दौरान सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. रविंद्र सिंह राव ने हार्ट से जुड़ी रोचक जानकारियां साझा की।

- चार में से एक मरीज को ही अपनी बीमारी का पता

» डॉ. शितू सिंह ने कहा कि दूषित हवा से अस्थमा होने पर दुनिया में सबसे ज्यादा मरीजों की मौत भारत में होती है। जागरूकता की कमी के कारण, देश में अस्थमा के चार में से सिर्फ एक ही मरीज को अपने अस्थमा होने की जानकारी है। विश्व में अस्थमा से होने वाली मौतों में से 43 प्रतिशत मौत सिर्फ भारत में होती है। डॉ. निष्ठा सिंह ने बताया कि इस वर्कशॉप में मरीजों को अस्थमा के साथ सावधानियां और जीवनशैली अपनाने के बारे में जानकारी दी गई। मरीजों को खुद से शपथ दिलाई गई की कि वे पेड़ लगाएंगे, इलेक्ट्रिक वाहन खरीदेंगे और धूम्रपान बंद कर देंगे। मरीजों ने जनता से बायोमास के स्थान पर एलपीजी का उपयोग करने और धूम्रपान बंद करने, सरकार से एलपीजी और ग्रीन एनर्जी के लिए सब्सिडी प्रदान करने, वैज्ञानिकों से फसल जलाने की जगह तकनीक विकसित करने और भगवान से पीएम 2.5 के स्तर को कम करने की प्रार्थना की।

साइबर ठगों के विरुद्ध पुलिस का दो दिवसीय अभियान : कुल 28 एफआईआर दर्ज कर 240 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया

152 मोबाईल, 104 एटीएम कार्ड, 89 सिम कार्ड, 10 चैकबुक, 40 बैंक पासबुक, 01 मोटरसाईकिल, 06 लैपटॉप, 01 कार व 4.85 लाख रुपये जब्त

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी)28 जनवरी। गत दिनों साइबर क्राईम के गढ़ जामताडा के साथ-साथ मेवात क्षेत्र में होने तथा साइबर अपराधियों की दिनों-दिन बढती हुई गतिविधियों को मद्देनजर महानिदेशक पुलिस श्री यू आर साहू के निर्देशानुसार साइबर अपराध शाखा व महानिरीक्षक पुलिस रेंज एवं जिला पुलिस द्वारा आपस में समन्वय स्थापित कर राज्य स्तर पर दबिश की कार्यवाही की गई। महानिदेशक साइबर क्राईम डॉ. रविप्रकाश मेहरडा ने बताया की पुलिस अधीक्षक, साइबर क्राईम सुधीर चौधरी के निर्देशन में 14उ नई दिल्ली से प्राप्त डेटा का विशलेषण कर टीम द्वारा दो माह तक सार्थक प्रयास कर विशेष कार्ययोजना बनाकर कार्य किया गया। गत दिनो आयोजित पुलिस महानिदेशक - महानिरीक्षक क्रोन्फ्रेंस और साईबर हेथकोन 1.0 में विचारित किये गये बिन्दुओं के अनुपालना में कार्यवाही की गई ।

डीजी डॉ मेहरड़ा ने बताया कि इस कार्यवाही के दौरान राजस्थान पुलिस द्वारा सभी जिला पुलिस अधीक्षको द्वारा आपस में समन्वय बनाकर दबिश दी गई। जिसमें कुल करीब 475 संदिग्ध साइबर अपराधियों को दस्तयाब किया गया। इनसे पुलिस की विभिन्न साइबर क्राईम टीमों द्वारा पूछताछ की जा रही है। साईबर अपराधियों के विरुद्ध राज्य में कुल 28 एफआईआर दर्ज कर 240 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया । (105 अपराधियों को प्रकरणों में गिरफ्तार किया गया व 134 अपराधियों को निवारक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार किया गया) अपराधियों से 152 मोबाईल, 104 एटीएम कार्ड, 89 सिम कार्ड, 10 चैकबुक, 40 बैंक पासबुक,

01 मोटरसाईकिल, 06 लैपटॉप, 01 कार, व 4,85,000/- रुपये जब्त किये गये ।

- **इसके अतिरिक्त राज्य में साईबर अपराधियों के विरुद्ध निम्न कार्यवाही की गई**

उदयपुर - फर्जी एस्कॉर्ट के अवैध धंधे में संलिप्त व्यक्तियों के 17 फोन, 19 एटीएम (उत्तरप्रदेश, पश्चिम बंगाल से संबंधित सिम की बिक्री एवं खातो की जांच की जा रही है डूंगरपुर - फर्जी एस्कॉर्ट सर्विस मामले में गिरफ्तारी की गई है जिन्हें बैंगलौर पुलिस को सुपुर्द किया जाएगा) जिनके विरुद्ध गुजरात में भी कई प्रकरण दर्ज है अजमेर और जोधपुर में फर्जी कॉल सेंटर में शामिल लोगों का भंडाफोड़ (खुलासा) किया गया जिला अलवर में छापेमारी कर दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु से संबंध रखने वाले साईबर ठगो के विरुद्ध 5 प्रकरण (एफआईआर) दर्ज किये गये डीग में छापेमारी कर उत्तरप्रदेश से साईबर ठगो से संबंध रखने वाले 29 लोगो को गिरफ्तार कर 9 एफआईआर पंजीबद्ध कर 49 मोबाईल फोन, 35 सीम कार्ड, 31 एटीएम कार्ड, 7 चैकबुक, 10 बैंक पासबुक, 1 हुंडई कार व 4.85 लाख रुपये नकद जब्त किये गये । जिला दौसा में छापेमारी कर 3 एफआईआर पंजीबद्ध कर 24 साईबर ठगों को गिरफ्तार किया गया ।जयपुर दक्षिण- करोडो रुपये की ऑनलाईन ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफास 13 युवतियां व 07 युवक गिरफ्तार एवं 48 कम्प्युटर मोबाईल फोन सिम कार्ड वीजा कार्ड बैंक पासबक एटीएम कार्ड लैपटॉप बरामद।जोधपुर पश्चिम में फर्जी कॉल सेन्टर में शामिल लोगो का भंडाफोड किया जाकर 1 पुरुष व 8 महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से 26 सिम कार्ड 60 कम्पनी के फर्जी कार्ड भारी मात्रा में वाहनों का रिकॉर्ड जब्त किया गया। इंस्टाग्राम पर फर्जी ज्योतिषियों के मामलों की भी जांच की जा रही है देश भर से प्राप्त 9 शिकायतो में फैशन उत्पाद की एवज में भुगतान लेने एवं उत्पाद वितरित नहीं करने वाले घोटालेबाजो को गिरफ्तार किया गया ।

ई मित्र संचालको के ओढर घोटालो में संलिप्त होने के संबंध में खुलासा किया गया जिसमें कई शिकायतो में ई मित्र संचालको की भूमिका संदिग्ध पाई गई ।

लडकी के प्राइवेट फोटो के लिए लड़की को ब्लैकमेल करने का मामला प्रमाणित पाये गये जिन पर कार्यवाही जारी है। राजस्थान पुलिस द्वारा साइबर अपराधों में लिप्स पाये जाने पर अब तक कुल मोबाईल सिम 2,04,760 व आईएमईआई 2,16,627 ब्लॉक करवाये गये है तथा साइबर अपराधीयों के बैंक खाते फ्रीज करवाकर कुल 63,21,40,640 रकम होल्ड करवाई गई। जिसमें से 26,01,488 राशि पुनः पीडितो के बैंक खातों में जमा करवायी गयी।

डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया की संदिग्धों की जाँच में अन्य राज्यों की साइबर शाखा से समन्वय स्थापित कर, यहां पकडे गये अपराधी, वांछित होने पर उन राज्यों को प्रोडक्शन वारन्ट पर सुपुर्द किये जायेगे तथा अन्य राज्यों में पकडे गये साइबर अपराधी राजस्थान में वांछित होने पर प्रोडक्शन वारन्ट पर लिये जायेगे।अतिरिक्त महानिदेशक क्राईम दिनेश एम एन ने बताया कि साइबर ठगों के विरुद्ध जिलों में अविलम्ब एफआईआर दर्ज की जाकर क्राईम ब्रांच द्वारा इन प्रकरणों का निकटत्तम सुपरविजिन किया जाऐगा। साईबर अपराधियों के डोजियर खोलकर सख्त निगरानी की जायेगी। जाँच के दौरान संगठित गिरोह द्वारा अपराध का खुलासा होने पर सूचना एसओजी को दी जावेगी। राज्य में संचालित सिम बिक्री करने वाले (POS) द्वारा फर्जी तरीके से सिम विक्रय करने पर उनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। साइबर अपराध में बैंक कर्मियों की संलिप्तता पाये जाने पर ऐसे बैंक कर्मियों के विरुद्ध भी सख्त कानूनी कार्यवाही की जायेगी। संदिग्ध बैंक खातों एवं बैक कर्मचारीयों की मिलीभगत उजागर करने के लिए बैक के उच्च अधिकारीयों से मीटिंग कर समन्वय स्थापित किया गया है।

डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि साईबर ठगो की प्रमुख कार्यप्रणाली में टेलीग्राम जॉब धोखाधड़ी, टेलीग्राम कार्य आधारित प्रोत्साहन, फर्जी एस्कॉर्ट सेवा, सेक्सटॉर्शन, बाजार स्थानों पर चीजें बेचना, क्रिप्टोकरंसी आधारित मनी ट्रेडिंग, ग्राहक सेवा, सस्ते सामान के लिए नकली विज्ञापन, चीनी ऋण ऐप्स, ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म आदि शामिल हैं, मुख्य रुप से उपयोग में लिए जा रहे है इसलिए तुरंत पैसे या सस्ते डिस्काउंट का लालच न करें।

पुलिस टीम 1. समस्त जिला पुलिस अधीक्षक 2 करण शर्मा पुलिस अधीक्षक सीआईडी 3 सुमित मेहरडा आईपीएस 4. अनिल राव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक साईबर क्राईम 5 गजेन्द्र शर्मा पुलिस निरीक्षक साईबर क्राईम 6 प्रदीप कुमार कानि० 276 साईबर क्राईम ओपरेशन व्रज प्रहार 1.0 के तहत राज्य में कार्यवाही निरन्तर जारी हैं। राज्य में साइबर अपराधियों के विरुद्ध अधिक प्रभावी कार्यवाही हेतु साईबर क्राईम ब्रांच में विभिन्न एजेन्सियों में समन्वय हेतु विशेष कोर्डिनेशन की व्यवस्था की गई, जो विभिन्न एजेन्सियों को 24७7 डाटा का आदान-प्रदान करने का कार्य करेंगी महानिदेशक साइबर क्राईम डॉ. रविप्रकाश मेहरडा ने आमजन से अपील की है कि साइबर ठगो से सतर्क रहे तथा साइबर अपराध घटित होने पर हेल्पलाईन नम्बर 1930 एवं साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज अवश्य करावें।

संक्षिप्त समाचार

तन सिंह जी एक व्यक्ति नहीं, एक विचार थे हमेशा हमेशा-हमेशा अमर और अजर : शेखावत

चमकता राजस्थान। नई दिल्ली।(एजेंसी)श्री क्षत्रिय युवक संघ के संस्थापक तन सिंह जी के जन्म शताब्दी समारोह में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उनका संदेश दोहराने और हर जन तक पहुंचाने का आ''ान किया। अपने उद्बोधन में शेखावत ने कहा कि तन सिंह जी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचार थे। वो विचार रूप में हम सबके बीच में हमेशा- हमेशा के लिए अमर हैं। उस विचार को प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी भी हम सब की है।

रविवार को नई दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित समारोह में शेखावत ने कहा कि तन सिंह जी ने केवल अपनी चिंता नहीं की, बल्कि समाज के अन्य लोगों की चिंता भी की। विशेषकर उनकी, जो पक्ति में उनसे पीछे खड़े थे। जो मेरा है, उसके लिए करना, मेरा दायित्व है, मेरा कर्तव्य है, मेरी जिम्मेदारी है, इस बोध के साथ वो आगे बढ़े। उसका परिणाम है कि 100 साल बाद में भी हम सब आज एकत्रित होकर उनको श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। शेखावत ने कहा कि अभी हाल में भगवान श्रीराम का मंदिर बना। हम सबने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का स्मरण किया। भगवान श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम है, वो आदर्श है,लेकिन हमारे लिए गर्व की बात है कि वो हमारे पूर्वज भी हैं। उनके आदर्शों के अनुरूप आचरण और व्यवहार करने की जिम्मेदारी अगर पहले किसी की है तो क्षेत्रीय समाज के लोगों की है। हमको उसके अनुरूप आचरण करते हुए जीवन जीने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि क्षत्रिय समाज के डीएनए में कुछ खास है। कुछ न कुछ विशिष्टता अवश्य होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ऐसे समय में जब आज हमारा देश परिवर्तित हो रहा है। इस देश में जब कभी भी सकारात्मक परिवर्तन हुआ है, तब क्षत्रिय शक्ति ने उस परिवर्तन को साकार करने में अपना एक अमिट योगदान किया।

मुख्यमंत्री ने आमजन के साथ सुना 'मन की बात' कार्यक्रम

- **प्रत्येक व्यक्ति के लिए सकारात्मकता को बढ़ावा देने वाला और प्रेरणादायक 'मन की बात': सीएम भजनलाल शर्मा**

चमकता राजस्थान। जयपुर।(खलील कुरैशी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 109वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आमजन के साथ मुख्यमंत्री निवास पर संबोधन को सुना। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम हमेशा ही प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणादायक व सकारात्मकता को बढ़ावा देने वाला होता है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने ₹मन की बात₹ में स्वच्छता और अंगदान का संदेश भी दिया है। हमें भी मिलकर उनके मार्गदर्शन में प्रदेश के धार्मिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान निरंतर चलाना चाहिए। साथ ही, अंगदान के प्रति भी जागरूकता फैलानी चाहिए।शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मन का बात नरेंद्र मोदी 29 जनवरी, 2024 को सुबह 11 बजे विद्यार्थियों के साथ 'परीक्षा पे चर्चा' करेंगे। शर्मा ने प्रदेश के विद्यार्थियों से इस चर्चा में जुड़ने का आह्वान किया।

बार एसोसिएशन ने समारोह पूर्वक मनाया गणतंत्र दिवस व बार कार्यकारिणी कक्ष का किया उद्घाटन

चमकता राजस्थान

किशनगढ़,!(शंकर शर्मा) किशनगढ़, विगत 26 जनवरी को बार एसोसिएशन के मिडिया प्रभारी प्रमोद कुमार शर्मा ने बताया कि बार एसोसिएशन किशनगढ़ ने न्यायिक अधिकारियों कीउपस्थिति में गणतंत्र दिवस समारोह उत्साहपूर्वक न्यायालय परिसर किशनगढ़ में'मनाया। समारोह में सैकड़ो वकीलों के साथ साथ न्यायिक कर्मचारीगण भीउपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सं. 1 व 2 दमयंती .पुरोहित व नीरजा दाधीच, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सं:। सिद्धार्थ सांधू, बार एसोसिएशन अध्यक्ष दीपक खराणा ने अपना उद्बोधन दिया बार एसोसिएशन किशनगढ़ ने अध्यक्ष के नेतृत्व में झंडारोहण किया। समारोह में बार एसोसिएशन सचिव गोवर्धन सिंह राठौड़, उपाध्यक्ष सोमदत्त पुरोहित, सहसचिव अनिल कासोटिया कोषाध्यक्ष महेश चंद मालाकार, पुस्तकालयाध्यक्ष सिकन्दर खान, प्रवक्ता रुपेश शर्मा व गोवर्धन नाथ बिदावत, मीडिया प्रभारी प्रभोद शर्मा व

सुरेश गोडेश्वर, वरिष्ठ अधिवक्ता विमल सिंह बाफना, परमानंद शर्मा, रविकांत शर्मा, नरेन्द्र सिंह राठौड़, विक्रम प्रताप पुरोहित, राजेन्द्र आर्चार्य, राशिद अली, रामेश्वर चौधरी, राजकीय लोक अभियोजक भंवर विरेन्द्र सिंह, युग अधिवक्ता विजय पारीक, शरद पारीक, राजेन्द्र नुवाद, नासिर हुसैन, सतवीर सिंह, महावीर राजपुरोहित, कृष्णावतार शर्मा, नेमीचंद कुमावत, राहुल सिंह चौहान, जितेन्द्र शर्मा, अब्दुल हफीज, राहोश्याम मालाकार, महावीर मालाकार,प्रेमप्रकाश गुर्जर, महेश कुमावत, भंवर लाल कुमावत, सोनू मेघवंशी, चंदा बर्मा,योगेश जैन, स्वाति व्यास, विमल किशोर कुमावत, आमिर हनफी, महेन्द्र परसोया,प्रदीप परसोया, तेजेन्द्र सिंह, ब्रजेश शर्मा, बृजराज दाधीच, भवानी सिंह, अभिषेकसिंह राजपुरोहित आदि उपस्थित थे। थे। समारोह समारोह में में वकील महावीर राजपुरोहित कर्मचारी नंद लाल शर्मा, कालूराम सायक गुर्जर, दामोदर शर्मा, रामेश व दात्रअरहान ने अपनी प्रस्तुति ही। मंच संचालन प्रमोद शर्मा ने किया सचिवगोवर्धन सिंह राठौड़ ने अंत में सभी का आभार व्यक्त करते हुए समारोह समाप्ति की घोषणा की उक्त कार्यक्रम में बार कर्मचारी दीपक चौमिया व चैतन कुमावत का भी सहयोग रहा।

कुरैशीयान प्रीमीयर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का मेगा रोमांचक फ़ाइनल मुकाबला आज,

- **आदर्श नगर के क्रिकेट प्रेमियों में फाइनल मुकाबले को लेकर देखा जा रहा है अच्छा खासा उत्साह**

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) विगत 7 जनवरी से खेली जा रही कुरैशीयान प्रीमीयर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला आज होने जा रहा है जिसको क्रिकेट खेल प्रेमियों में अच्छा खासा उत्साह और रोमांच देखने को मिल रहा है आदर्श नगर ख़ासकर एम.डी.लेकर परिक्षेत्र में इस अंतिम और खास निर्णायक मुकाबला को लेकर चारों तरफ़ चर्चा का बाजार गर्म है हालांकि आयोजकों ने फाइनल मुकाबले से संबंधित सभी तैयारियां कर ली जिसमें मुख्य रूप से शानदार पीच, दर्शक दीर्घा, अंपायर, लाईटिंग, प्रख्यात कमेंट्रेटर आदि की समूची व्यवस्था इस बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कुरैशीयान प्रीमीयर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के ऑर्गेनाइजर वसीम कुरैशी व आतीक कुरैशी द्वारा बताया गया कि कुरैशीयान प्रीमीयर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट एम ड़ी रोड़ स्थित एक निजी ग्राउंड में 7 जनवरी से खेला जा रहा है जिससे 12 टीमों ने भाग लिया जिसमें 8 टीम यंग प्लेयर्स की और 4 टीम लीजेंड प्लेयर्स की जिसका फाइनल मुकाबला 29 जनवरी को रात 8:00 बजे खेला जाएगा लीजेंड टीम एम.ज़े. एड एक्सप्रेस व एम. के ग्रुप के बीच खेला जाएगा व यंग टीम का फाइनल एम ड़ी ग्रुप व अल समद के बीच खेला जाएगा।

टॉक शो में सिनेमा और समाज से रूबरू हुए दर्शक

ऑस्कर चयनित फिल्म की स्क्रीनिंग से रोशन हुआ राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल

चमकता राजस्थान

जयपुर। (खलील कुरैशी) राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (रिफ) 2024 के दसवें संस्करण का दूसरा दिन ऑस्कर चयनित मलयालम फिल्म, 2018: एवरीवन इज ए हीरो से गुलजार रहा। केरल में आई बाढ़ पर बेस्ड फिल्म में निर्देशक जूड एंथनी जोसेफ एंड टीम ने प्राकृतिक आपदा पर इंसानी जीत को फिल्माया है।रिफ में चयनित 66 फिल्मों में से एक 2018: एवरीवन इज ए हीरो फिल्म को जयपुराइट्स के लिए फिर से प्रदर्शित किया गया। जूड एंथनी जोसेफ द्वारा निर्देशित, फिल्म में टोविनो थॉमस, कुंचाको बोबन, आसिफ अली, विनीत श्रीनिवासन, नारायण और लाल मुख्य भूमिका में हैं। खास बात यह है कि 2002 में लगान के बाद से किसी भी भारतीय

एंट्री को ऑस्कर में बेस्ट अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म के लिए नॉमिनेशन नहीं मिला है। 2023 में रिलीज़ फिल्मों के लिए 96वां ऑस्कर 10 मार्च 2024 को लॉस एंजिल्स में आयोजित किया जाएगा।

- **मनोज बाजपेयी की गुलमोहर में दिखा परिवार का सच्चा वास्तविक संघर्ष**

रिफ 2024 में मनोज वाजपेयी अभिनीत फिल्म गुलमोहर ने भी दर्शकों का मन मोह लिया। फिल्म में एक रईस परिवार की कहानी है। खास बात है कि शर्मिला टैगोर ने फिल्म गुलमोहर के जरिए 13 साल बाद अभिनय की दुनिया में कमबैक किया है। फिल्म की कहानी फैमिली से रिलेटेड है। लेकिन ये फैमिली अलग है, इसमें बंगले टूट रहे हैं और बड़ी-बड़ी बिल्डिग बन रही हैं। इसका असर पूरी तरह से परिवार के सदस्य पर पड़ता है। रिफ के दूसरे दिन सवाईमान सिंह अस्पताल की डॉक्टर मालती गुप्ता द्वारा निर्देशित म्यूजिक वीडियो एलबम वाटर एंड फायर की भी स्क्रीनिंग की गई। डॉक्टर मालती ने दर्शकों के बीच बैठकर म्यूजिक एलबम देखा और जागरूकता का संदेश दिया।

- **राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के पर्दे पर दूसरे दिन प्रदर्शित हुई ये मुख्य फिल्में**

राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024 के दसवें संस्करण में दूसरे दिन हिंदी, अंग्रेजी, मलयालम, तेलगू, संस्कृत, कन्नड़ भाषा की 13 फिल्मों की स्क्रीनिंग हुई। प्रदर्शित हुई फिल्मों में 7 फीचर फिल्म, 3 शॉर्ट फिल्म, एक डॉक्यूमेंट्री, एक एनिमेशन फिल्म के साथ एक म्यूजिक वीडियो एलबम की स्क्रीनिंग की गई।

एक नजर

हूती हमले पर शिप कैप्टन बोले- उम्मीद छोड़ दी थी

भारतीय नौसेना की एक फायर फाइटर टीम ने शनिवार को अरब सागर के अदन की खाड़ी में मौजूद एक जहाज पर लगी आग पर काबू पाया। इस जहाज के कैप्टन अभिलाष रावत ने भारतीय नौसेना को मदद के लिए धन्यवाद कहा है। रावत ने कहा- मैं इंडियन नेवी के वॉरशिप INS विशाखापट्टनम को धन्यवाद कहना चाहता हूं। पूरी दुनिया को पता है कि हम पर एक मिसाइल से हमला किया गया था। इसकी वजह से हमारे मर्चेंट वेसल पर आग लग गई थी, जो बढ़ती ही जा रही थी। भारतीय नौसेना ने हमें बचाने के लिए पूरी ताकत लगा दी। हमने उम्मीद छोड़ दी थी। हैट्स ऑफ टू इंडियन नेवी। रावत ने आगे कहा- मैं दूसरे देशों की नेवी को भी शुक्रिया कहना चाहुंगा, जिन्होंने बाकी चीजों में हमारी मदद की। लेकिन वो भारतीय नेवी ही थी जो भीषण आग के बीच एक्सपर्ट फायर फाइटर्स के साथ जहाज पर उतरी और आग पर काबू पाया। दरअसल, 26 जनवरी को यमन के पास फिर से एक जहाज पर ड्रोन अटैक हुआ था। इसकी वजह से MV मर्लिन लौंडा पर आग लग गई थी। जहाज पर सवार 23 में से 22 क्रू मेंबर्स भारतीय थे। वहीं 23वां सदस्य बांग्लादेशी था। अटैक के तुरंत बाद जहाज ने मदद के लिए सिग्नल भेजा था।इसके बाद भारतीय नौसेना ने पुष्टि की थी कि एक युद्धपोत को रवाना किया है। भारतीय नेवी के अलावा अमेरिकी और फ्रेंच नेवी के युद्धपोत भी जहाज के सिग्नल पर मदद के लिए रवाना हुए थे। अमेरिका के सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने बताया कि यह जहाज एक ब्रिटिश कंपनी का था। इस पर हूतियों ने बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया था। बता दें कि फिलिस्तीनियों पर इजराइल के हमलों के विरोध में हूती विद्रोही लगातार लाल सागर में जहाजों को निशाना बना रहे हैं।शुक्रवार के हमले के बाद ब्रिटेन के रक्षा मंत्री ग्रैंट शैप्स ने कहा- इस तरह की हरकत गैरकानूनी है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह हमारा कर्तव्य है कि हम लाल सागर से जहाजों की आवाजाही और आजादी की रक्षा करें। वहीं हूतियों के प्रवक्ता ने कहा- मार्लिन लौंडा एक ब्रिटिश जहाज था। अमेरिका-ब्रिटेन की तरफ से हूतियों पर हुए हमले के जवाब में यह मिसाइल अटैक किया गया।

सम की बरपेटा लोकसभा सीट माकपा छोड़ने को तैयार नहीं, इंडी गठबंधन में फंसा पेंच

बरपेटा। असम की बरपेटा लोकसभा सीट को लेकर हालांकि अभी तक इंडी गठबंधन में कोई फैसला नहीं हुआ है, लेकिन माकपा यह सीट किसी भी कीमत पर कांग्रेस के लिए छोड़ने को तैयार नहीं है। सरभोग से माकपा विधायक मनोरंजन तालुकदार ने रुख साफ़ किया है कि उनकी पार्टी असम में एक के खिलाफ एक उम्मीदवार उतारने की नीति पर अडिग है। माकपा विधायक तालुकदार ने कांग्रेस की संभावित उम्मीदवारों की सूची पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि माकपा बरपेटा लोकसभा सीट पर दावा कर रही है, लेकिन कांग्रेस प्रद्युत बोरदोलोई को इस सीट पर उतारने की इच्छुक है। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा है कि माकपा असम में एक के खिलाफ एक उम्मीदवार उतारने की नीति पर अडिग है। माकपा इंडी फ्रंट की शर्तों के अनुसार बरपेटा में चुनाव लड़ेगी और इस मुद्दे पर कांग्रेस से बातचीत भी हुई है। विधायक तालुकदार ने यह भी खुलासा किया है कि 15 पार्टियों के इंडी गठबंधन ने राज्य में सीट बंटवारे के मुद्दे पर न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी के साथ बातचीत की थी। उम्मीदवारों की सूची पर न तो कांग्रेस ने और न ही गठबंधन ने फैसला किया है, यह मीडिया की रचना है। जब उनसे पूछा गया कि अगर बरपेटा सीट माकपा को नहीं दी गई तो पार्टी की स्थिति क्या होगी, विधायक तालुकदार ने कहा, "अंतिम क्षण तक बरपेटा निर्वाचन क्षेत्र की मांग से पीछे हटने का कोई सवाल ही नहीं है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी बरपेटा निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने पर अडिग है।" उन्होंने कहा कि असम में इंडी गठबंधन सही दिशा में है, साथ ही इंडी गठबंधन के कई दलों ने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। इसलिए सीटों के बंटवारे को लेकर कोई दिक्कत नहीं होगी।

धर्म व राष्ट्र की रक्षा के साथ संस्कारों की करें रक्षा: प्रज्ञा महाला

अयोध्या। हर हिन्दू बहन अपने चरित्र की सुरक्षा करते हुए समाज एवं राष्ट्र की सुरक्षा करे। साथ ही धर्म की रक्षा करते हुए संस्कारों की रक्षा करे। यह बातें दुर्गा वाहिनी की राष्ट्रीय संयोजिका प्रज्ञा महाला ने कही है। दुर्गा वाहिनी हिन्दू युवतियों का एक संगठन है, जो सेवा, सुरक्षा एवं संस्कार को अपना आदर्श वाक्य मानकर हिन्दू समाज में पुनर्जागरण लाकर राष्ट्रधर्म एवं संस्कृति की रक्षा के लिए काम करता है। प्रज्ञा महाला से हिन्दुस्थान समाचार के संवाददाता बृजनन्दन राजू ने संगठन और समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। प्रस्तुत है संक्षिप्त अंश- श्रीराम जन्मभूमि पर रामलला के विराजमान होने का जो आनंद है उसे हम शब्दों में प्रकट नहीं कर सकते। उस आनंद को बस अनुभव किया जा सकता है। अनुभव में हम नाचें, गायें, रोयें, खुशियां मनायें यह सब उसी प्रकटीकरण में आ जाता

है। वह अव्यक्त भावनाएं हैं। हमें क्या प्राप्त हुआ यह समझ में नहीं आ रहा है लेकिन यह एक अलौकिक अनुभव है। राम मंदिर आंदोलन के दौरान सभी कार्ययोजनाओं को प्रभावी ढंग से पूरा करने में बहनें पीछे नहीं रहीं। 1990 का रक्तरंजित परिदृश्य उन्हें विचलित नहीं कर सका। पुलिस ने जब कारसेवकों पर लाठीचार्ज किया तो वह ढाल बनकर खड़ी हो गईं। इसी योगदान को देखकर दुर्गावाहिनी के नाम से बहनों का संगठन प्रारम्भ किया गया। वर्ष 1992 की कारसेवा में देश के हर प्रांत से बहनों की सहभागिता रही। ढांचा विध्वंस के दौरान सबने देखा कि बहनें गुम्बद के ऊपर चढ़कर ढांचा तोड़ रही थीं। उसी स्वरूप को देखकर विचार आया कि इनकी शक्तियों को संगठित कर अखिल भारतीय स्वरूप प्रदान किया जाय। वर्ष 1990 की कारसेवा में जो घटनाएं हुईं, कारसेवकों के ऊपर अत्याचार हुआ, गोलीबारी हुई, प्रशासन की रोक के बावजूद बड़ी संख्या में युवा बहनें कारसेवा में आई थीं। उनको एक संगठन का रूप देने के लिए 1991 में दुर्गा वाहिनी की स्थापना हुई। साध्वी ऋतम्भरा को संस्थापक संयोजिका बनाया गया। बहनों का यह संगठन दुर्गा माता को आदर्श मानते हुए दुर्गा माता के स्वरूप को याद करते हुए उनके ही आदर्श से अनुप्राणित होने के लिए कटिबद्ध है।

हमारे तीन ध्येय वाक्य हैं- सेवा, सुरक्षा और संस्कार। इन्हीं बिंदुओं को आधार मानते हुए समाज में युवा बहनों के बीच में भावनाएं डालने के साथ-साथ धर्म रक्षा, राष्ट्र रक्षा में उनकी भी प्रमुख भूमिका है। इसके साथ-साथ परिवार को बनाने में परिवार को संभालने में और परिवार को संस्कार देने में माताओं की भूमिका रहती हैं। आज की दुर्गाएं कल की माताएं हैं इसलिए वह अपने परिवार को सम्भालें और परिवार में सेवा, सुरक्षा एवं संस्कार के बीच रोपण करते हुए राष्ट्र चिंतन करें। भारत माता, गौ माता, मठ-मंदिर और धर्मग्रंथों की सुरक्षा के लिए बहनों के मन और परिवार में यह भाव जगे इस उद्देश्य को लेकर दुर्गा वाहिनी काम करती है। पिछले कई वर्षों से दुर्गा वाहिनी के संगठनात्मक विस्तार पर काम चल रहा है। संगठनात्मक दृष्टि से 85 प्रतिशत जिलों में हमारा काम है।

इजराइल बोला- हमास अटैक में शामिल था UN स्टाफ

इजराइल। इजराइल-हमास जंग के बीच अमेरिका समेत 6 देशों ने संयुक्त राष्ट्र संघ यानी UN की एक एजेंसी की फंडिंग बंद कर दी है। इजराइल ने UNRW नाम की संस्था के 12 कर्मचारियों पर हमास के आतंकियों के साथ मिलकर 7 अक्टूबर के हमले में शामिल होने के आरोप लगाए थे। इसके बाद एजेंसी ने इन सभी को बर्खास्त कर दिया। UNRWA के चीफ फिलिपे लजारिनी ने कहा कि एजेंसी की साख को बचाने के लिए सभी आरोपियों को बर्खास्त करने का फैसला किया गया। इस एजेंसी को 1948 में उन फिलिस्तीनियों को राहत पहुंचाने के लिए बनाया था, जो इजराइली कब्जे में बेघर हो गए थे। फिलहाल ये एजेंसी गाजा, वेस्ट बैंक, सीरिया, जॉर्डन और लेबनान में 60 लाख लोगों की मदद कर रही है।इसका आम नागरिकों तक राहत का सामान पहुंचाना और उनकी मदद करना है। अब तक अमेरिका, ब्रिटेन, फिनलैंड, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, इटली, जर्मनी, फिनलैंड और स्विटजरलैंड UNRWA को फंड देना बंद करने की घोषणा कर चुके हैं। यहूदी सेटलर्स अब गाजा बॉर्डर के पास पहुंचने लगे हैं। अलजजीरा के मुताबिक सेटलर्स वो यहूदी हैं जिन्हें इजराइल की सरकार फिलिस्तीनी इलाकों में बसाती है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक गुरुवार को कुछ सेटलर्स ने 2 इजराइली बच्चों को देश का झंडा थमाकर गाजा बॉर्डर के नीचे से गाजा पट्टी की तरफ भेजा दिया। वीडियो में एक शख्स बच्चों को कह रहा है झंडा अच्छे से लगाओ। इजराइल डिफेंस फोर्सेस के प्रवक्ता एविचे अद्राई ने दावा किया है कि गाजा के लोग हमास के खिलाफ हो गए हैं। वो गाजा पट्टी से हमास की हुकुमत को उखाड़ फेंकने के नारे लगा रहे हैं। इजराइल का कहना है कि उन्होंने खान यूनिस से लोगों को निकालने के लिए एक कॉरिडोर बनाया है। गाजा के लोगों का कहना है कि हमास उन्हें निकलने से रोक रहा है। वहीं, अमेरिकी मीडिया हाउस CNN ने दावा किया है कि सफेद झंडे लेकर गाजा छोड़ते लोगों पर गोलीबारी की जा रही है।

मराठा आरक्षण पर मुख्यमंत्री शिंदे के फैसले से सत्तापक्ष में ही नाराजगी उभरी

मुंबई। मराठा आरक्षण को लेकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के फैसले पर सत्तापक्ष में ही नाराजगी उभरने लगी है। शिंदे सरकार में कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल ने इस फैसले पर नाराजगी जताते हुए रविवार को कहा कि ओबीसी को आरक्षण से बाहर करने का प्रयास किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने भी मुख्यमंत्री शिंदे के फैसले का पुरजोर विरोध किया है। उन्होंने इस फैसले को ऐतिहासिक परंपराओं को तोडऩे वाला और ओबीसी के अधिकारों पर अतिक्रमण करने वाला बताया है। नारायण राणे ने ट्विट कर कहा कि सोमवार को वे इस बारे में विस्तृत जानकारी देंगे। इसी तरह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राष्ट्रीय सचिव पंकजा गोपीनाथ मुंडे ने कहा कि अब एक मराठा लाख मराठा नहीं बल्कि एक ओबीसी लाख ओबीसी का नारा मनोज जारांगे को लगाना चाहिए। छगन भुजबल ने रविवार को पत्रकारों को बताया कि राज्य सरकार की ओर से हर जगह एक तरफा कार्रवाई की जा रही है। हम कुरेटिव याचिका दायर करने का समर्थन करते हैं, लेकिन क्या मराठा

समुदाय को कुनबी सर्टिफिकेट देना जरूरी है? ऐसा सवाल भुजबल ने उठाया है। भुजबल ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री बात करते हैं कि ओबीसी समाज के साथ अन्याय नहीं किया जाएगा, लेकिन ओबीसी समाज को आरक्षण से बाहर निकालने का काम मुख्यमंत्री शिंदे सुनियोजित तरीके से कर रहे हैं। अब तो शिक्षा और नौकरी में ओबीसी की जगह मराठा समाज को लोग नजर आएंगे और कहीं इक्का दुक्का जो ओबीसी जनप्रतिनिधि नजर आते थे, वे भी एक-दो लोग भी नहीं आ सकेंगे। भुजबल ने यह भी कहा कि सभी मराठा समुदाय को पिछले दरवाजे से कुनबी सर्टिफिकेट देने का काम चल रहा है। कल की घटना के बाद कल से ही मुझे पिछड़े वर्ग, दलित और अन्य लोगों के संदेश आ रहे हैं। आगे क्या करना है? वे पूछ रहे हैं। मंत्री छगन भुजबल ने कहा है कि नागरिकों में घबराहट है कि हमारा आरक्षण खत्म हो गया है। मराठा आरक्षण के मुद्दे पर ओबीसी नेताओं ने सरकार के फैसले का विरोध किया है। इसके लिए रविवार को छगन भुजबल के आवास पर एक शाम बैठक का भी आयोजन किया गया है । इस बैठक में ओबीसी नेता अपनी आगे की रणनीति तय करने वाले हैं। इससे पहले छगन भुजबल ने मीडिया से बातचीत के दौरान यह बात कही है।

इराक से बचे हुए सैनिक निकालेगा अमेरिका:पहले राउंड की बैठक हुई

इराक। इराक में मौजूद अमेरिकी सेना को निकालने के लिए शनिवार को बगदाद में पहले राउंड की बैठक हुई। इसमें इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया-अल-सुदानी सहित कई सीनियर अधिकारी और इराक की सेना के अफसर मौजूद रहे। PM ऑफिस ने अपने स्टेटमेंट में कहा- इराक और अमेरिका के बीच सैन्य गठबंधन को खत्म करने के लिए पहली बैठक हुई है। मिलिट्री एक्सपर्ट्स मिलकर ISIS के खिलाफ बने वैश्विक गठबंधन के सैन्य मिशन को खत्म करने का नेतृत्व करेंगे। फिलहाल इराक में करीब 2500 अमेरिकी सैनिक मौजूद हैं। इराक के PM ऑफिस की स्टेटमेंट के मुताबिक, अमेरिकी सैनिकों की वापसी के लिए 3 वर्किंग ग्रुप बनाए गए हैं। ये इस बात की जांच करेंगे कि इराक में फिलहाल ISIS का कितना खतरा है। इसके अलावा इराकी सेना को मजबूत करने के लिए कितनी ट्रेनिंग और सपोर्ट की जरूरत है। अमेरिका के मुताबिक, सैन्य मिशन खत्म करने की शर्तों पर बातचीत के

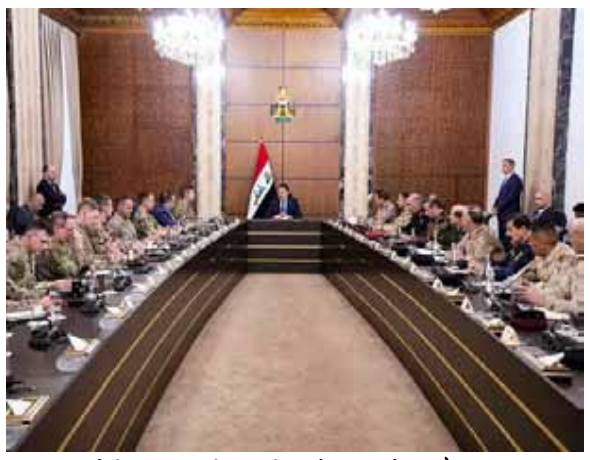

लिए एक कमेटी बनाई गई थी। इसकी पहली बैठक पिछले साल हुई थी। लेकिन गाजा में इजराइल की जंग तेज होने के बाद से इराक में मौजूद ईरान-समर्थक गुटों ने इराक और सीरिया में अमेरिकी सैनिकों पर कई हमले किए। इसके जवाब में अमेरिका ने कार्रवाई की। हालांकि, इराक में इसका जमकर विरोध हुआ। अमेरिका ने लगातार इस बात पर जोर दिया है कि इराक से सेना को निकालने का फैसला 7 अक्टूबर को इजराइल पर हमास के हमले से पहले हो चुका था।

हालांकि, इराक में मौजूद ISIS ने दावा किया है कि उनके हमलों के बाद अमेरिका ने इराक छोड़ने का फैसला किया है। ISIS ने कहा- अमेरिका सिर्फ दबाव और हमलों की भाषा जानता है। हम उन पर हमले जारी रखेंगे। इससे पहले 20 जनवरी को भी इराक में मौजूद अमेरिकी फौज पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला हुआ था। इसमें कई सैनिक घायल हो गए थे। अमेरिका की सेंट्रल कमांड ने इस हमले के पीछे ईरान के समर्थन वाले गुट को बताया था। हमले में अमेरिका के अल असद एयरबेस को निशाना बनाया गया था। इजराइल-हमास जंग शुरू होने के बाद से इराक-सीरिया में अमेरिका पर 140 से ज्यादा बार हमला हुआ है। इराक के प्रधानमंत्री अल सुदानी ने अपने देश में और अमेरिकी सैनिकों के घुसने पर पाबंदी लगा दी है। सुदानी ने कहा है कि अमेरिकी सैनिकों को इराक से निकालने के लिए एक समय सीमा तय करने की जरूरत है। दरअसल, सुदानी नहीं चाहते की ईरान और अमेरिका की दुश्मनी से उनके देश में कोई नई जंग छिड़ जाए। सुदानी ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को दिए इंटरव्यू में कहा था कि ये हमें बिल्कुल मंजूर नहीं है कि कुछ देश आपसी लड़ाई के बीच हमारी जमीन का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं।

उत्तराखंड : अब मदरसों के बच्चे भी पढ़ेंगे श्रीराम कथा : शादाब शम्स

देहरादून। उत्तराखंड कई मामलों में अन्य प्रदेशों की तुलना में नई ऊंचाई हासिल कर रहा है। इसका प्रमाण वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स और मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी के अलग-अलग दिए गए बयान हैं। मुस्लिम पंथ के इन दोनों धार्मिक नेताओं का मानना है कि अपने पूर्वजों और धरोहरों को भावी पीढ़ी को बताना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। अब मदरसों के बच्चों को भी भगवान श्रीराम और पूर्वजों के बारे में जानकारी दी जाएगी। जहां मुफ्ती शमून कासमी का कहना है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में उत्तराखंड मदरसा शिक्षा बोर्ड सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के दृष्टिकोण पर काम कर रहा है। उनका कहना है कि मदरसों में पढ़ने वाले मुस्लिम छात्रों को एनसीईआरटी पाठ्यक्रम के आधार पर आधुनिक शिक्षा दी जा

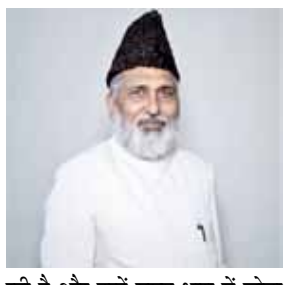

रही है और उन्हें मुख्य धारा में जोड़ा जा रहा है वहीं वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स का भी कहना है कि अब वक्फ बोर्ड के अधीन संचालित सभी मदरसों में श्रीराम कथा पढ़ाई जाएगी। रविवार को अलग-अलग बातचीत में दोनों नेताओं ने अपना दृष्टिकोण स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान संदर्भों में मुस्लिम समाज के बच्चों को एनसीईआरटी पाठ्यक्रम के साथ-साथ श्रीराम कथा की भी पूरी जानकारी होनी चाहिए ताकि श्रीराम के त्याग, तपस्या के बारे में मुस्लिम बच्चे पूरी तरह जान सकें। शम्स का कहना है कि अयोध्या में श्रीराम लला के प्रतिष्ठापित होने के बाद वक्फ बोर्ड के तहत 117 मदरसों में भी श्रीराम कथा का पाठ्यक्रम शामिल किया जा रहा है। इस संदर्भ में मदरसा प्रबंधकों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। मुफ्ती शमून कासमी और शादाब शम्स दोनों मानते हैं कि इन सभी मदरसों में इस पाठ्यक्रम को शामिल करके बड़ा परिवर्तन किया गया है। शम्स के अनुसार प्रदेश में 415 मदरसे चल रहे हैं, जिनमें 117 उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के संचालन में हैं। हमने चार मदरसों को मॉडर्न मदरसा बनाने का निर्णय लिया है। इनमें देहरादून, ऊधमसिंहनगर, हरिद्वार और नैनीताल के मदरसे शामिल किए गए हैं। इनमें एनसीआरईटी की पुस्तकें वर्तमान सत्र से प्रारंभ कर दी गई हैं और पाठ्यक्रम में संस्कृत विषय को विशेष वरियता दी जा रही है। अब मदरसा बोर्ड के बच्चे श्रीराम कथा से भी विज्ञ होंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत के मुसलमानों ने पंथ परिवर्तन के माध्यम से मुस्लिम पंथ अपनाया है। उन्हें अपने पूर्वजों की जानकारी देना समय की मांग है ताकि मदरसों में भी सभी पंथ के बच्चे शामिल हों और पढ़ सकें। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि बेहतर शिक्षा के लिए हमें एक हाथ में कुरान और दूसरे हाथ में लैपटाप लेने का कार्य करना चाहिए। इसके लिए सरकार कृत संकल्प है। दोनों नेता मानते हैं कि मदरसों को मुख्य धारा में जोड़ना आवश्यक है ताकि मुस्लिम पंथों के बच्चों में अलगाव की भावना न रहे। शम्स मानते हैं कि इसके लिए हम इंडोनेशिया का उदाहरण ले सकते हैं जहां पंथ परिवर्तन के बाद भी लोग श्रीराम को आदर्श के रूप में पूजते हैं और लगातार उन्हें अपने से अलग नहीं करते।

इमरान की पार्टी पर लग सकता है बैन: साइफर और हिंसा केस में फैसला किसी भी वक्त

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में 8 फरवरी 2024 को होने वाले जनरल और असेंबली इलेक्शन से पहले या बाद में इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (PTI) पर बैन लग सकता है। इमरान खान और उनकी पार्टी के कई नेताओं पर सीक्रेट लेटर चोरी केस (साइफर गेट) और 9 मई 2023 की हिंसा के मामले में चल रहे तमाम केसेज की सुनवाई आखिरी दौर में है। अगर इन्हें दोषी पाया गया तो बैन लगना तय है। पाकिस्तान के अखबार 'द न्यूज' की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। PTI ने अब तक इस पर रिएक्शन नहीं दिया है। बहरहाल, ऐसा हुआ तो नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (PML-N) को बिल्कुल आसान जीत मिल जाएगी और ये एक तरह से वॉकओवर ही होगा। 9 मई हिंसा केस में फौज और ISI के अहम ठिकानों पर हमले किए गए थे। इसमें 16 लोग मारे गए थे और पाकिस्तान के शहीदों की मूर्तियों को तोड़ा गया

था। जिन्ना हाउस में आग लगा दी गई थी। इसी तरह, इमरान ने पिछले साल अप्रैल में सरकार गिरने के पहले ही रैलियों में एक कागज लहराना शुरू कर दिया था। उनके मुताबिक, अमेरिका ने फौज और उस वक्त के आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा के साथ मिलकर सरकार गिराई है। यह डिप्लोमैटिक केबल या नोट ही साइफर कहलाता है और चूंकि यह नेशनल सीक्रेट होता है, लिहाजा इसे किसी पब्लिक प्लेटफॉर्म पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। रिपोर्ट के मुताबिक- इन दोनों ही केस में इमरान और शाह महमूद कुरैशी समेत PTI की तमाम आला लीडरशिप आरोपी है। अगर इन्हें दोषी पाया जाता है तो पूरी पार्टी पर बैन लग सकता है और ये नेता लंबे वक्त तक सलाखों के पीछे रहेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक- पिछले साल शाहबाज शरीफ की अगुआई में पाकिस्तान डेमोक्रेटिक फ्रंट (PDM) की सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी। इसमें PTI को बैन किए जाने की मांग की गई थी। इसके बाद यह मामला टलता रहा। अब अनवार उल हक काकड़ प्रधानमंत्री हैं और उनकी केयरटेकर सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट से PTI पर बैन की मांग की है। PTI पर आरोप है कि 2003 में उसने दूसरे देशों से चंदा हासिल किया और पाकिस्तान के संविधान के हिसाब से यह देशद्रोह होने के साथ ही गैरकानूनी भी है। इस केस की सुनवाई भी तेज हो गई है। शाहबाज सरकार में कानून मंत्री रहे आजम नजीर तराड़ ने कहा- PTI पर इतने आरोप हैं कि अगर उन पर फैसले आने लगें तो यह पार्टी ही खत्म हो जाएगी और इमरान समेत तमाम नेता ताउम्र जेल में रहेंगे।

बीटिंग रिट्रीट के दौरान भारतीय धुनों से गूंज उठेगा राजसी रायसीना हिल्स

नई दिल्ली। देश के 75वें गणतंत्र दिवस समारोह के समापन के प्रतीक 'बीटिंग रिट्रीट' समारोह के दौरान 29 जनवरी को राजसी रायसीना हिल्स सूरज डूबने के साथ सभी भारतीय धुनों का गवाह बनेगा। समारोह में तीनों सेनाओं और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के संगीत बैंड दर्शकों के सामने 31 मनमोहक और थिरकने वाली भारतीय धुनें बजाएंगे। सशस्त्र बलों की सुप्रीम कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस समारोह में शामिल होंगी। भारतीय सेना, भारतीय नौसेना, भारतीय वायुसेना के संगीत बैंडों की भारतीय धुनों को सुनने के लिए उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी,

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और अन्य केंद्रीय मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। समारोह की शुरुआत सामूहिक बैंड की 'शंखनाद' धुन के साथ होगी, जिसके बाद पाइप्स बैंड 'वीर भारत', 'संगम दूर', 'देशों का सरताज भारत', 'भागीरथी' और 'अर्जुन' जैसी मनमोहक धुनें बजाएंगे। सीएपीएफ बैंड 'भारत के जवान' और 'विजय भारत' धुन बजाएंगे। भारतीय वायुसेना बैंड की 'टाइगर हिल', 'रेजॉइस इन रायसीना' और 'स्वदेशी' बजाई जाने वाली धुनों में से होगी, जबकि दर्शक भारतीय नौसेना बैंड को 'आईएनएस विक्रांत', 'मिशन चंद्रयान', 'जय भारती' और 'हम तैयार हैं' सहित कई धुनें बजाते हुए देखेंगे। इसके बाद भारतीय सेना का बैंड 'फौलाद का जिगर', 'अग्निवीर', 'कारगिल 1999', 'ताकत वतन' समेत अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत करेगा। इसके बाद सामूहिक बैंड 'कदम-कदम बढ़ाए जा', 'ऐ मेरे वतन के लोगों' और 'ड्रमर्स कॉल' की धुनें बजाएंगे। कार्यक्रम का समापन 'सारे जहां से अच्छा' की लोकप्रिय धुन के साथ होगा। इस समारोह के मुख्य संचालक लेफ्टिनेंट कर्नल विमल जोशी होंगे।

UAE में 6 साल में पूरा हो रहा पहला मंदिर

नई दिल्ली। अरब देश संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के अबू धाबी में राम मंदिर जैसा भव्य मंदिर बनाने का काम अब पूरा होने वाला है। इस मंदिर (BAPS) में 14 फरवरी को वसंत पंचमी पर प्राण-प्रतिष्ठा के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे। हिंदू मंदिर का निर्माण अबू धाबी के कल्चरल डिस्ट्रिक्ट में 27 एकड़ क्षेत्र में किया गया है। इसके आधे हिस्से में पार्किंग है। इसकी आधारशिला 6 साल पहले रखी गई थी। मंदिर के मुख्य गुंबद में पृथ्वी, जल, अग्नि, आकाश और वायु के साथ अरबी आर्किटेक्चर में चंद्रमा को दर्शाया गया है, जिसका मुस्लिम समुदाय में भी बेहद महत्व है। यह मंदिर सभी धर्मों का स्वागत करेगा और भारत और अरब की संस्कृति के मिलाप की मिसाल होगा। अबू धाबी में मंदिर का निर्माण आखिरी दौर में

है। 700 करोड़ की लागत वाले इस मंदिर में लोहे या स्टील का इस्तेमाल नहीं किया गया है। वॉलंटियर योगेश ठक्कर ने बताया कि स्तंभ से लेकर तक छत तक नक्काशी की गई है। 700 कंटेनरों में 20 ज्यादा टन से ज्यादा पत्थर, संगमरमर भारत से भेजा गया। मंदिर में 10 हजार लोग आ सकते हैं। मंदिर के प्रांगण में एक वॉल ऑफ हार्मनी का भी निर्माण किया गया है। मंदिर की दीवारों पर अरबी क्षेत्र, चीनी, एज्टेक और मेसोपोटामिया से 14 कहानियां होंगी, जो सभी संस्कृतियों में जुड़ाव दिखाती हैं। यह मंदिर UAE की सद्भाव और सह-अस्तित्व की नीति की मिसाल होगा। BAPS स्वामीरायण संस्था के अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रमुख ब्रह्मविहारी स्वामी ने बताया कि यह अरब देश में पहला विचार आधारित BAPS होगा। 1997 में गुरु प्रमुख स्वामी महाराज जब यहां आए थे, तो उन्होंने एक सपना देखा था कि यहां हिंदू मंदिर बने। आज 27 साल बाद यह सपना साकार हो रहा है। मंदिर के गेट पर रेत के टीले की रचना की गई है, जिसे सातों अमीरात से रेत लाकर बनाया गया है। आगे गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है जिसमें मुख्य प्रवेश द्वार से पहले सीढ़ियों के दोनों तरफ गंगा और यमुना का प्रवाह रहेगा और सरस्वती नदी की कल्पना एक लाइट से की गई है।

एक नजर

शराब की बोतल के लिए चप्पल से नौकर को पीटते नजर आए राहत फतेह अली खान, वीडियो वायरल

पाकिस्तानी। पाकिस्तानी गायक राहत फतेह अली खान का एक वीडियो सामने आया है, जिसने सभी को हैरान कर दिया है। इस वीडियो में राहत फतेह अली खान अपने ही नौकर की पिटाई करते नजर आ रहे हैं। वह यह भी पूछते नजर आ रहे हैं कि इस पिटाई के दौरान टेबल पर रखी शराब की बोतल कहां गई। इस वीडियो को देखने के बाद लोगों ने राहत फतेह अली खान की खूब आलोचना की है। सोशल मीडिया पर नेटिजन्स ने राहत फतेह अली को आड़े हाथों लेना शुरू कर दिया। यह देखकर राहत ने एक वीडियो शेयर किया और घटना के लिए माफी मांगी। वीडियो में राहत अपने घरेलू नौकर को जूतों से मारते और घसीटते नजर आ रहे हैं। वे शख्स के सिर पर जूता मार रहे हैं और शराब की बोतल के बारे में पूछ रहे हैं। नौकर उसके व्यवहार से काफी डरा हुआ लगता है, लेकिन राहत उसे पीटना जारी रखते है। उसे पीटते-पीटते वह खुद भी गिर पड़े। सोशल मीडिया पर लोगों की नाराजगी भरी प्रतिक्रियाएं भी आनी शुरू हो गई हैं। कुछ लोगों ने मांग की है कि राहत फतेह अली खान का बहिष्कार किया जाना चाहिए। कई लोगों ने ये भी कहा है कि राहत की ये हरकत बेहद अमानवीय है। जब राहत को एहसास हुआ कि लोग सोशल मीडिया पर उनकी आलोचना कर रहे हैं, तो राहत फतेह अली खान ने एक नया वीडियो बनाया और उसे उसी कर्मचारी के साथ शेयर किया। वीडियो में राहत ने उनसे माफी मांगी और बताया कि वह उनके शिष्य हैं। ऐसा ही रिश्ता गुरु और शिष्य के बीच भी होता है। उस वीडियो में राहत ने बताया है कि अगर आप अच्छा काम करेंगे तो आपकी तारीफ होगी और अगर आप गलती करेंगे तो आपको डांट मिलेगी। वहीं वीडियो में उस कर्मचारी ने बताया भी है। उन्होंने माना है कि विवाद शराब की बोतल को लेकर नहीं बल्कि पानी की बोतल को लेकर हुआ था। नौकर ने यह भी बताया कि राहत अपने शिष्यों से इतना प्यार करते हैं कि उन्हें बदनाम करने के लिए ये बातें फैलाई जा रही हैं। राहत फतेह अली खान भारत में बहुत लोकप्रिय हैं और उन्होंने हिंदी फिल्मों के लिए कई गाने गाए हैं। लेकिन अब देखा जा रहा है कि इस वीडियो की वजह से उन्हें हर स्तर से जबरदस्त आलोचना मिल रही है।

बॉक्स ऑफिस पर गूंज रही है फिल्म 'फाइटर' की दहाड़

मुंबई। देशभक्ति को समर्पित सिद्धार्थ आनंद की फिल्म 'फाइटर' बड़े पर्दे पर धमाल मचा रही है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ओपनिंग में ही 24.60 करोड़ की जबरदस्त कमाई की है। फिल्म ने दूसरे दिन में 41.60 करोड़ और तीसरे दिन 27.60 करोड़ की कमाई की। तीन दिन में फिल्म का कुल कलेक्शन 93.40 करोड़ तक पहुंच गया है। फिल्म 'फाइटर' को दर्शकों और क्रिटिक्स से बहुत सारा प्यार मिल रहा है। बॉक्स ऑफिस पर तीसरे दिन शनिवार को शानदार प्रदर्शन किया। तीसरे दिन फिल्म ने 27.60 करोड़ का कलेक्शन किया है। तीसरे दिन का कलेक्शन गुरुवार की तुलना में ज्यादा है। वीकेंड में फिल्म के शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। सिद्धार्थ आनंद की निर्देशित और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के सहयोग से वायाकॉम18 स्टूडियोज की प्रस्तुत फिल्म 'फाइटर' सिनेमाई प्रतिभा का प्रतीक है। यह फिल्म एक अद्वितीय सिनेमाई अनुभव का वादा करते हुए, दिल को छू लेने वाले एक्शन और देशभक्ति के उत्साह को सहजता से जोड़ती है। फिल्म 'फाइटर' अब सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

वेस्टइंडीज ने 8 रन से जीता डे-नाइट टेस्टः ऑस्ट्रेलिया को 21 साल बाद हराया, शमार जोसेफ ने झटके 7 विकेट

ब्रिसबेन। वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को डे-नाइट टेस्ट में 8 रन से हरा दिया। रविवार को ब्रिसबेन के द गाबा स्टेडियम में टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 207 रन पर ऑलआउट किया। वेस्टइंडीज ने कंगारू टीम को 216 रन का टारगेट दिया था। वेस्टइंडीज ने 36 साल बाद बिसबेन में ऑस्ट्रेलिया को हराया। इससे पहले 1988 में टीम को जीत मिली थी। टीम से शमार जोसेफ ने 7 विकेट लिए। उन्होंने जोश हेजलवुड का विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को ऑलआउट किया। शमार जोसेफ प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। स्टीव स्मिथ 91 रन बनाकर दूसरी पारी में नॉटआउट रहे। वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 311 और दूसरी पारी में 193 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी 9 विकेट पर 289 रन के स्कोर पर डिक्लेयर की थी। दूसरे टेस्ट में जीत के साथ वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया में 2 टेस्ट की सीरीज को 1-1 से बराबर कर लिया। पहला टेस्ट ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीता था। 24 साल के तेज गेंदबाज शमार

जोसेफ ने दूसरी पारी में 68 रन देकर 7 विकेट झटके। वह बैटिंग के दौरान मिचेल स्टार्क की यॉर्कर से इंजर्ड हुए, जिसके बाद उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा था। वह दूसरी पारी में उस वक्त बॉलिंग करने आए, जब ऑस्ट्रेलिया ने 2 ही विकेट के नुकसान पर 100 रन का स्कोर पार कर लिया था। जोसेफ ने बॉलिंग पर आते ही 7 ओवर में 6 विकेट झटक लिए। उन्होंने दूसरे सेशन में जोश हेजलवुड को भी बोल्ड किया और वेस्टइंडीज को ऐतिहासिक टेस्ट जिता दिया। वेस्टइंडीज से दूसरी पारी में अल्जारी जोसेफ ने 2 और जस्टिन ग्रीव्स ने एक विकेट लिया। शमार ने पहली पारी में एक विकेट लिया था, इस तरह उन्होंने मैच में 8 विकेट निकाले। उन्होंने पहले टेस्ट में ही डेब्यू कर 5 विकेट लिए थे। वेस्टइंडीज ने 21 साल बाद ऑस्ट्रेलिया को कोई टेस्ट मैच हराया। टीम ने 2003 में आखिरी बार अपने ही देश में सेंट जॉन्स स्टेडियम में 3 विकेट से मुकाबला जीता था। तब से टीम ने 20 टेस्ट खेले, 16 में उन्हें हार मिली और 4 टेस्ट ड्रॉ हो गए। वेस्टइंडीज को अब जाकर ऑस्ट्रेलिया से जीत मिल सकी। ऑस्ट्रेलिया में वेस्टइंडीज ने 26 साल बाद टेस्ट जीता है। टीम को आखिरी बार फरवरी 1997 में पर्थ के मैदान पर जीत मिली थी, तब टीम ने 10 विकेट से मुकाबला जीता था। तब से टीम ने ऑस्ट्रेलिया में 17 टेस्ट खेले, 15 में टीम को हार मिली, जबकि 2 ही मुकाबले ड्रॉ हो सके थे। ऑस्ट्रेलिया पहली बार पिंक बॉल टेस्ट में हारा है। टीम ने टेस्ट इतिहास का पहला पिंक बॉल डे-नाइट मैच खेला था। उन्होंने नवंबर 2015 में न्यूजीलैंड को हराया। तब से टीम ने कुल 11 डे-नाइट टेस्ट खेले और सभी में जीत हासिल की थी लेकिन अब उन्हें हार मिली। ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले दिसंबर 2022 में वेस्टइंडीज को ही एडिलेड में डे-नाइट टेस्ट हराया था। ऑस्ट्रेलिया ने चौथे दिन के पहले सेशन में 60/2 के स्कोर से अपनी पारी आगे बढ़ाई। स्टीव स्मिथ और कैमरन ग्रीन ने टीम को 100 रन के पार पहुंचा दिया। दूसरी पारी में इंजर्ड होने के बाद रिटायर्ड हर्ट हुए शमार जोसेफ फिर बॉलिंग करने आ गए। उन्होंने 7 ओवर के अंदर 6 विकेट झटके और ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 8 विकेट के नुकसान पर 175 रन कर दिया। सेशन खत्म होने तक टीम ने 8 विकेट पर 187 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया से स्टीव स्मिथ दूसरी पारी में इकलौते बैटर रहे, जिन्होंने फिफ्टी लगाई। वह ओपनिंग से लेकर आखिर तक टिके रहे और 91 रन बनाकर नॉटआउट रहे। उनके अलावा ऑस्ट्रेलिया से कैमरन ग्रीन ही 42 रन बना सके। बाकी बैटर्स कुछ खास नहीं कर सके। डे-नाइट टेस्ट के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को दूसरी पारी में 193 रन पर ऑलआउट कर दिया। कर्क मैकेंजी ने 50 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने दिन का खेल खत्म होने तक 2 विकेट पर 60 रन बना लिए। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन 289 पर 9 विकेट के नुकसान पर अपनी पहली पारी घोषित की। टीम पहली पारी में वेस्टइंडीज से 22 रन पीछे रही। ऑस्ट्रेलिया से उस्मान ख्वाजा, एलेक्स कैरी और पैट कमिंस ने फिफ्टी लगाईं। वेस्टइंडीज से अल्जारी जोसेफ ने 4 विकेट लिए। डे-नाइट टेस्ट के पहले दिन वेस्टइंडीज ने गुरुवार को 311 रन बना दिए। टीम से विकेटकीपर जोशुआ डा सिल्वा ने 79 और केवम हॉज ने 71 रन बनाए। आखिर में केविन सिनक्लेयर ने 50 रन की पारी खेली। टीम ने 64 रन पर 5 विकेट के नुकसान से 311 रन का स्कोर खड़ा कर दिया।

जडेजा के हेलमेट पर लगी 142 किमी स्पीड से बाउंसरः रूट को लगातार दो विकेट

हैदराबाद। इंग्लैंड ने टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में भारत के खिलाफ वापसी कर ली है। टीम ने तीसरे दिन 126 रन की बढ़त बनाई। दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लिश टीम ने दूसरी पारी में 6 विकेट पर 316 रन बना लिए हैं। ओली पोप 148 और रेहान अहमद 16 रन पर नाबाद रहे। पोप ने टेस्ट करियर की 5वीं सेंचुरी जमाई। शनिवार को मुकाबले के दौरान कई मोमेंट्स देखने को मिले, जैसे- पहले सेशन में भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की हेलमेट पर मार्क वुड की बॉल लगी। उसके बाद जो रूट ने लगातार दो बॉल पर दो विकेट हासिल किए। फिर इंग्लिश पारी में जसप्रीत बुमराह ने बेन डकेट को बोल्ड कर दिया। जसप्रीत की बॉल इतनी तेज थी कि स्टंप उड़ता हुआ 8 फीट दूर तक गया। भारत ने दिन की शुरुआत 421/7 से की। जडेजा 81 और अक्षर पटेल 35 के निजी

स्कोर पर खेलने उतरे। भारतीय पारी के 115वें ओवर की तीसरी बॉल रवींद्र जडेजा के हेलमेट पर लगी। मार्क वुड ने 142 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बाउंसर डाली थी, जिस पर जडेजा पुल करना चाहते थे। हालांकि जडेजा को चोट नहीं आई, लेकिन फिजियो के परीक्षण के लिए खेल रोकना पड़ा। बाउंसर के बाद फिजियो परीक्षण जरूरी है। 120वें ओवर में इंग्लैंड के पार्ट टाइम स्पिनर जो रूट ने दो बॉल पर लगातार दो विकेट लिए। उन्होंने ओवर की तीसरी बॉल पर जडेजा को LBW कर दिया, उसके बाद अगली ही बॉल पर जसप्रीत बुमराह को बोल्ड कर दिया। बुमराह बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। इंग्लैंड की दूसरी पारी के 17वें ओवर में बेन डकेट को जीवनदान मिला। बुमराह के ओवर की आखिरी बॉल डकेट के पैड पर लगी, लेकिन फील्ड अंपायर ने अपील नकार दी। ऐसे में रोहित ने DRS नहीं लिया। बाद में रिप्ले देखने पर पता चला कि बॉल लेग स्टंप को हिट कर रही थी। इस तरह रोहित के DRS नहीं लेने की वजह से इंग्लिश ओपनर बेन डकेट को जीवनदान मिला। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने बेन डकेट को 19वें ओवर की 5वीं बॉल पर बोल्ड कर दिया। बुमराह की बॉल इतनी तेज थी कि डकेट का स्टंप 8 फीट दूर तक उछलता हुआ गया। डकेट 47 रन के स्कोर पर आउट हुए और अर्धशतक से चूक गए। बेन डकेट को बोल्ड करने के बाद बुमराह ने अपने अगले ओवर में जो रूट को LBW कर दिया। रूट 2 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

हॉकी इंडिया ने हरबिंदर सिंह को पद्मश्री सम्मान दिए जाने की घोषणा पर दी बधाई

नई दिल्ली। पूर्व दिग्गज हॉकी खिलाड़ी हरबिंदर सिंह को पद्मश्री सम्मान दिए जाने की घोषणा पर हॉकी इंडिया ने बधाई दी है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा कि हमें बहुत खुशी है कि हरबिंदर सिंह को हॉकी में उनके अनुकरणीय करियर के लिए पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। डॉ. टिर्की ने रविवार को एक बयान में कहा कि हरबिंदर सिंह हममें से कई लोगों के लिए एक आदर्श रहे हैं और वह युवा हॉकी खिलाड़ियों की इस पीढ़ी को लगातार प्रेरित कर रहे हैं। मैं उन्हें इस सम्मान के लिए बधाई देता हूं। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी इस महान खिलाड़ी को राष्ट्रीय सम्मान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हॉकी इंडिया की ओर से मैं हरबिंदर सिंह को बधाई देता हूं। वह हमेशा भारत के बेहतरीन सेंटर फॉरवर्ड में से एक के रूप में जाने जाएंगे। उन्होंने देश के लिए कई पुरस्कार जीते।

वह आज भी खेल की सेवा कर रहे हैं, किसी भी क्षमता में शामिल होने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और यह बहुत प्रेरणादायक है। हॉकी स्टार हरबिंदर सिंह ने 1961 और 1972 के बीच भारतीय टीम लिए खेला। तीन ओलंपिक खेलों में भाग लिया और प्रत्येक में पदक जीता। 1964 में स्वर्ण पदक के अलावा, वह 1968 मैक्सिको ओलंपिक और 1972 म्यूनिख ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। वह भारतीय हॉकी के स्वर्ण युग का हिस्सा थे जब टीम ने 1966 में एशियाई खेलों में स्वर्ण और 1970 में रजत पदक जीतकर एशिया में अपना दबदबा बनाया था।

सिम्बायोसिस फिल्म फेस्टिवल में हिंदी सिनेमा के पक्ष में बोले अमिताभ बच्चन

मुंबई। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन का जोश आज भी कई युवा कलाकारों को शर्मसार कर देता है, अपने काम को लेकर हमेशा चर्चा में रहते हैं। हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री को लेकर अमिताभ बच्चन का एक बयान चर्चा में है। बिग बी ने हाल ही में सिम्बायोसिस फिल्म फेस्टिवल में फिल्म इंडस्ट्री की कई चीजों पर टिप्पणी की। बिग बी ने फिल्म उद्योग में तकनीकी प्रगति के फायदे और नुकसान पर विस्तार से अपने विचार रखे। दरअसल, सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी में फिल्म फेस्टिवल का उद्घाटन बिग बी और उनकी पत्नी जया बच्चन ने किया। बातचीत के दौरान बिग बी ने कहा, 'अक्सर फिल्म इंडस्ट्री की काफी आलोचना होती रहती है। इसके साथ ही फिल्मों को समाज को कुछ देना होता है और अक्सर यह आरोप लगाया जाता है कि फिल्म उद्योग लोगों की मानसिकता को बदलने के लिए जिम्मेदार है।' बिग बी ने बताया

कि उनके पिता भी अपने आखिरी दिनों में हिंदी फिल्में देखा करते थे। हरिवंशराय बच्चन अक्सर पहले देखी हुई फिल्म को दोबारा देखा करते थे। बिग बी ने जहां मलयालम और तमिल फिल्मों की तारीफ की, वहीं उन्होंने स्पष्ट किया कि वह कई लोगों की इस राय से सहमत नहीं हैं कि साउथ फिल्में हिंदी फिल्मों से बेहतर हैं। बिग बी ने कहा, 'क्षेत्रीय फिल्म अच्छा कारोबार कर रही है, लेकिन अगर आप देखेंगे तो वो लोग भी वही फिल्में कर रहे हैं, जो पहले हिंदी में बन चुकी हैं। वे सिर्फ वेशभूषा बदल रहे हैं ताकि वे अधिक अलग और सुंदर दिखें। मलयालम और कुछ हद तक तमिल फिल्में बहुत अलग और समृद्ध विषयों पर आधारित हैं, लेकिन किसी एक फिल्म उद्योग पर उंगली उठाना और यह कहना कि उनकी फिल्में सर्वश्रेष्ठ हैं, सही नहीं है।

बोपन्ना ने जीता पहला ऑस्ट्रेलिया ओपन टाइटलः ऑस्ट्रेलिया के एब्डन के साथ मेंस डबल्स चैंपियन बने

मेलबर्न। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने करियर का पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत लिया है। 43 साल के बोपन्ना अपने ऑस्ट्रेलियाई साथी मैथ्यू एब्डन के साथ साल के पहले ग्रैंड स्लैम की मेंस डबल में चैंपियन बने। इसी के साथ बोपन्ना ने पहला मेंस डबल्स ग्रैंड स्लैम टाइटल जीता है और ओपन एरा में ऐसा करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बन गए हैं। यह बोपन्ना के करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है। रॉड लेवर एरीना में शनिवार को भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने इटली के सिमोन बोलेली और एंड्रिया ववास्सोरी की जोड़ी को सीधे सेटों में 7-6, 7-5 से हराया। करीब डेढ़ घंटे तक चले फाइनल मुकाबले में बोपन्ना-एब्डन की जोड़ी का दबदबा कायम रहा। पहला सेट दोनों के लिए मुश्किल रहा। हर पॉइंट के लिए कड़ा संघर्ष हुआ और 6-6 गेम की बराबरी होने के बाद मामला टाई ब्रेकर में चला गया। टाई ब्रेकर में बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी ने बाजी मारी। दूसरे सेट में

भी स्कोर एक समय 5-5 हो गया था। लग रहा था कि इसका फैसला भी टाई-ब्रेकर से होगा, फिर बोपन्ना और एब्डेन ने प्रतिद्वंद्वी जोड़ी की सर्विस ब्रेक कर दी। इसके बाद अगला गेम भी जीत कर सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। एब्डेन ने भी दूसरा ग्रैंड स्लैम जीता। उन्होंने 2022 विम्बलडन में ऑस्ट्रेलिया के मैक्स परसेल के साथ मेंस डबल्स खिताब जीता था। एब्डेन ने भी दूसरा ग्रैंड स्लैम जीता। उन्होंने 2022 विम्बलडन में ऑस्ट्रेलिया के मैक्स परसेल के साथ मेंस डबल्स खिताब जीता था। यह रोहन बोपन्ना का दूसरा ग्रैंड स्लैंड टाइटल है। इससे पहले उन्होंने 2017 में कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोव्स्की के साथ फ्रेंच ओपन में मिक्स्ड डबल्स खिताब जीता था। वे मेंस डबल्स में 2010 में पाकिस्तान के ऐसाम-उल-हक कुरैश के साथ और 2023 में एब्डन के साथ US ओपन में दो बार उपविजेता रहे। बोपन्ना पिछले साल पूर्व भारतीय स्टार सानिया मिर्जा के साथ इस टूर्नामेंट का मिक्स्ड डबल्स फाइनल हार गए थे। तब भारतीय जोड़ी को ब्राजीलियाई जोड़ी ने 7-6, 6-2 से हराया था। बोपन्ना पिछले साल ही ओपन एरा में ग्रैंड स्लैम के फाइनल के लिए क्वालिफाई करने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति बने थे। वह और उनके साथी मैथ्यू एब्डन US ओपन 2023 का फाइनल हार गए थे। बोपन्ना ने 20 साल से भी पहले अपना डेब्यू किया था। बोपन्ना मास्टर्स 1000 इवेंट में मेंस डबल्स खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने पिछले साल 43 साल की उम्र में एब्डन के साथ इंडियन वेल्स टूर्नामेंट जीतकर यह उपलब्धि हासिल की थी। टेनिस में 4 ग्रैंड स्लैम होते हैं। चारों हर साल आयोजित होते हैं, इसकी शुरुआत जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन से होती है। मई और जून में फ्रेंच ओपन होता है। जुलाई में विम्बलडन और अगस्त-सितंबर में US ओपन होता है। US ओपन साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम होता है।

इंडियन सुपरक्रॉस रेसिंग लीग का आगाज आज सेः तीन लेग में खेला जाएगा पहला सीजन

पुणे। इंडियन सुपरक्रॉस रेसिंग लीग (ISRL) के पहला सीजन का आगाज आज से होगा। पहला सीजन तीन लेग (चरण) में खेला जाएगा। हर लेग में चैंपियन चुना जाएगा। पहला लेग आज पुणे के श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होगा। अगले दो लेग अहमदाबाद (11 फरवरी) और नई दिल्ली (25 फरवरी) में होंगे। पहले सीजन में छह टीमें हिस्सा लेंगी। हर टीम में 8-8 रेसर होंगे। पहला सीजन चार कैटेगरी में खेला जाएगा, जिसमें हर कैटेगरी के दो-दो रेसर होंगे। 450cc इंटरनेशनल, 250cc इंटरनेशनल, 250cc इंडिया-एशिया मिक्स और 85cc जूनियर इंडिया-एशिया मिक्स। सुपरक्रॉस

मोटरसाइकिल रेसिंग है, जो स्टेडियम में मिट्टी से ट्रैक पर होगा। सुपरक्रॉस रेसिंग के दौरान रेसर स्टंट भी करते नजर आएंगे। पहले सीजन के ऑक्शन के लिए दुनिया भर के 120 रेसर ने रजिस्ट्रेशन कराया था। आज रेस में हिस्सा लेने वाले रेसर में मैट मॉस हैं, जो नौ बार के ऑस्ट्रेलियाई MX और SM चैंपियन हैं। लोरेंजो कैम्पोरेसी चार बार के इटैलियन सुपरक्रॉस चैंपियन हैं। वहीं इंडियन में रग्वेद बरगुजे हैं, जो तीन बार के नेशनल सुपरक्रॉस चैंपियन हैं। ISRL दुनिया की पहली ही फ्रेंचाइजी रेसिंग लीग है। जिस तरह क्रिकेट में IPL, फुटबॉल में ISL और कबड्डी में PKL है, उसी तरह अब बाइक रेसिंग में ISRL की शुरुआत हुई। पहला सीजन देश के 3-3 अलग-अलग वेन्यू पर आयोजित होगा। जिसकी शुरुआत आज पुणे में हो रही है। रेस में कुल 48 भारतीय और इंटरनेशनल राइडर्स हिस्सा ले रहे हैं।

'बिग बॉस ओटीट' फेम मनीषा रानी की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

मुंबई। मनीषा रानी हमेशा चर्चा में रहती हैं और वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग देखी जा सकती है। सोशल मीडिया के जरिए वह अपने फैंस को प्रोफेशनल काम के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी के बारे में भी अपडेट रखती हैं। मनीषा रानी की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना के बाद फैंस ने चिंता जताई है। मनीषा की अस्पताल में भर्ती की फोटो वायरल हो गई है। इस फोटो को उनके एक फैन पेज ने शेयर किया है। इस फोटो में मनीषा अस्पताल के बिस्तर पर लेटे दिखीं। यह ज्ञात नहीं है कि वास्तव में उसकी परेशानी का कारण क्या था। मनीषा की इस फोटो को देखकर फैंस ने चिंता जाहिर की है। साथ ही उनके जल्द ठीक होने की प्रार्थना भी कर रहे हैं। मनीषा रानी बिग बॉस पॉपुलर शो 'ओटीटी-2' से फैंस का खूब मनोरंजन हुआ। वह 'बिग बॉसओटीटी-2' में टॉप 3 में पहुंच गयी। इसके बाद वह अभिषेक मल्हान के साथ एक

म्यूजिक वीडियो में नजर आईं।मनीषा ने बिग बॉस ओटीटी विजेता एल्विश यादव के साथ एक म्यूजिक वीडियो भी बनाया। जो हिट रहा। हाल ही में मनीषा डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा' में भी नजर आईं।

पॉपुलर रियलिटी शो 'बिग बॉस ओटीटी-2' के बाद मनीषा रानी की किस्मत बदल गई। मनीषा ग्लैमर की दुनिया में मशहूर हो गई हैं।

कांग्रेस सरकारों की गलत मंशा के चलते अटकी थी ईआरसीपी, पीएम मोदी की गारंटी कभी नहीं डूबती: कन्हैयालाल चौधरी

दृढ़ इच्छाशक्ति वाला पीएम ही इस तरह के ऐतिहासिक फैसलों की गारंटी दे सकता है: सीपी जोशी

- ईआरसीपी पर राजस्थान और मध्यप्रदेश के बीच हुआ एमओयू , दिल्ली के श्रम शक्ति भवन में जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र शेखावत और दोनों राज्यों के सीएम रहे मौजूद
- ट्रिपल इंजन की सरकार के भागीरथी प्रयासों के चलते ईआरसीपी का सपना साकार हुआ:- सुरेश रावत

चमकता राजस्थान

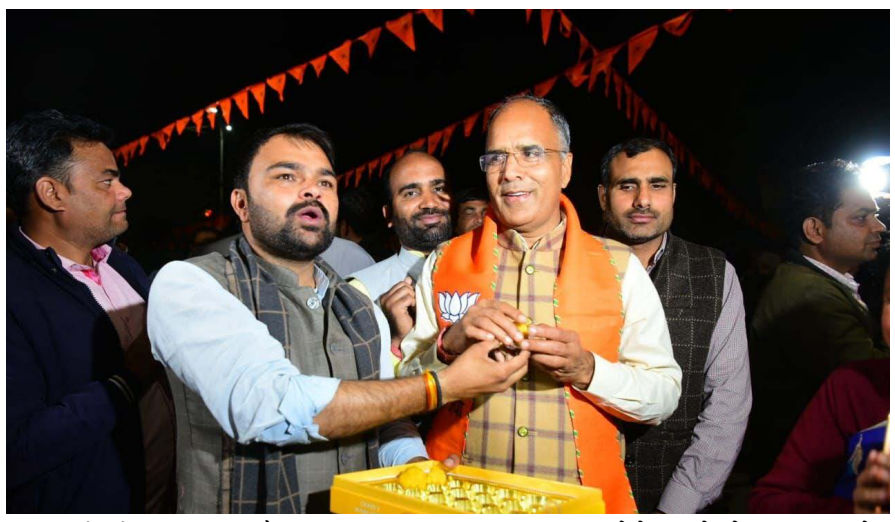

जयपुर, 28 जनवरी 2024। प्रदेश की बहुप्रतिक्षित पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) पर आज दिल्ली के श्रम शक्ति भवन में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की मौजूदगी में मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच एमओयू साईन हुआ। इस दौरान सीएम भजनलाल शर्मा और मध्यप्रदेश सीएम डॉ. मोहन यादव मौजूद रहे। एमओयू साईन होने के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि इस योजना से राजस्थान और मध्यप्रदेश के 13-13 जिलों में पानी की जो गंभीर समस्या थी उससे समाधान मिलेगा। हम विकास को लेकर प्रतिस्पर्धी हैं और हम प्रत्येक घर तक पानी पहुंचाने को लेकर संकल्पित हैं। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने मुझे आश्वासन दिया था कि जिस दिन हम साथ बैठेंगे इस मामले का हल निकाल लेंगे और आज वह घड़ी आ गई।

दोनों राज्यों के बीच एमओयू साईन होने के बाद दोनों प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों ने इसे राजस्थान और मध्य प्रदेश के लिए बड़ी शुरुआत और फायदेमंद बताया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने एमओयू साईन होने पर पीएम मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति और उनकी गारंटियों की सराहना करते हुए प्रदेश की जनता को बधाई दी। वहीं कृषि एंव ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना ने प्रदेश की जनता को ईआरसीपी योजना का एमओयू साईन होने पर बधाई दी है। एमओयू पर हस्ताक्षर होने के बाद आज शाम भाजपा प्रदेश कार्यालय पर जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत और जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मिठाई बांटकर और आतिशबाजी कर खुशी जताई गई। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ संयोजक राजेन्द्र सिंह शेखावत, प्रदेश मीडिया सह-संयोजक मेहराज चौधरी, मीडिया संपर्क प्रमुख आनंद शर्मा, प्रदेश भाजपा कार्यालय प्रभारी महेश शर्मा, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष अनुराधा माहेश्वरी सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि जल ही जीवन है विशेष रूप से राजस्थान जैसे प्रदेश में जहां भूभाग के हिसाब से जल का अभाव है। विगत 06 साल से कांग्रेस ने इस योजना को अटका रखा था। हम देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आभारी हैं जिन्होने यह भागीरथी प्रयास किया और सफल हुए। इसलिए हम सदैव कहतें है कि पीएम मोदी की गारंटी कभी अधूरी नहीं रहती है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने हमेशा कहा था कि इस योजना को लागू करने में कुछ कमियां है जल्द ही इसे पूरा कर लिया जाएगा, और आज वह दिन आ गया जब ईआरसीपी पर एमओयू साईन हो गया।

जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत ने इस मौके पर कहा कि ईआरसीपी की मांग प्रदेश की जनता की महत्वपूर्ण मांगो में से एक रही है। कांग्रेस सरकार ने इस योजना को काफी समय तक लटकाए रखा, और आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की मौजूदगी में दोनो राज्यों के बीच एमओयू साईन हुआ। ट्रिपल इंजन की सरकार के समन्वय के चलते आज हमारा सपना पूरा हुआ इसलिए प्रदेश की जनता में एमओयू साईन होने के बाद बेहद खुशी का माहौल है।

संक्षिप्त समाचार

पोदार लिटिल मेस्ट्रोस का भव्य उद्घाटन

- बच्चों के समग्र विकास में शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता अतिआवश्यक : डॉ कैलाश वर्मा

चमकता राजस्थान। जयपुर।(खलील कुरैशी) पोदार एजुकेशन मुंबई की ओर से संचालित पोदार लिटिल मेस्ट्रोज की शाखा का भव्य उद्घाटन आज प्रताप नगर सेक्टर 23, जयपुर चौपाटी प्रताप नगर के पास किया गया।पोदार एजुकेशन मुंबई के चैयरमेन राघव पोदार ने बताया कि मुख्य अतिथि बगरू विधान सभा के विधायक डॉ. कैलाश वर्मा ने रिबन काट कर दीप प्रज्ज्वलित कर शाखा का शुभारंभ किया। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के मण्डल अध्यक्ष, स्थानीय पार्षद, पार्टी पदाधिकारी, स्थानीय नागरिक और विद्यालय परिवार का स्टाफ उपस्थित रहा। इस अवसर पर डॉ. कैलाश वर्मा ने पोदार एजुकेशन मुंबई की सीनियर एकेडमिक मैनेजर सोनल मेहता से बातचीत करते हुए संस्था द्वारा बच्चों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए दी जा रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बारे में जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित करके की गई । कार्यक्रम में बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियां जैसे पपेट शो, पैराशूट प्ले आदि को शामिल करते हुए एक कार्निवल का आयोजन भी किया गया जिसमे आस पास के सभी बच्चों, अभिभावकों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया ।

राहुल गांधी की वजह से पीएम मोदी को नींद नहीं आती : खड़गे

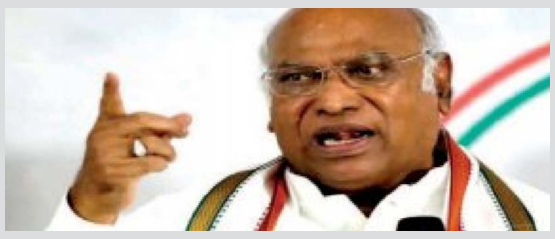

चमकता राजस्थान । देहरादून !(एजेंसी) कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को देहरादून में कहा कि राहुल गांधी की वजह से आज-कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नींद नहीं आती है। उनके सपने में पहले नेहरू, राजीव गांधी और सोनिया गांधी आते थे। भाजपा के लोग उन्हें विष्णु का 11वां अवतार बनाने पर लगे हुए हैं। लोकसभा चुनाव की तैयारियों के बीच खड़गे उत्तराखंड पहुंचे थे। देहरादून में वे कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधा। खड़गे ने कहा कि कांग्रेस ने देश के लिए कुर्बानियां दी हैं। भाजपा देश को लूट रही है।हवाई यात्रा के लिए भी मोदी जी की परमिशन लेनी पड़ती है खड़गे ने सभा में देरी से आने पर माफी मांगी। उन्होंने कहा- देरी से आने के लिए माफी मांगता हूं। आजकल हवाई यात्रा के लिए भी मोदी जी की परमिशन लेनी पड़ती है। लैंडिंग के लिए भी परमिशन लेनी पड़ती है। यह लोग (बीजेपी) कांग्रेस नेताओं को सताते हैं। बीजेपी की सरकार में विपक्ष के नेताओं का उत्पीड़न किया जा रहा है।

- कुछ लोग मोदी जी को विष्णु का 11वां अवतार बनाने निकले हैं

खड़गे ने कहा कि धर्म अलग होता है, राज करने की जगह अलग होती है। सुबह अपने गुरुजन का चेहरा नहीं देख पाते, लेकिन जब टीवी खोलते हैं तो मोदी जी का चेहरा देखने को मिलता है। भाजपा के लोग मोदी जी को विष्णु का 11वां अवतार बनाने निकले हैं। भाजपा सिर्फ झूठ बोलती हैं, झूठ का मायाजाल बुनती है।

तम्बाकू विक्रेता लाइसेंस से राजस्थान सरकार को 14 हजार करोड़ की राजस्व वृद्धि की संरचना को दिया जा चुका है मुर्त रुप

तम्बाकू नियंत्रण में नवाचार की आवश्यकता को लेकर राज्यस्तरीय मीडिया कार्यशाला आयोजित

चमकता राजस्थान

जयपुर।(खलील कुरैशी) तम्बाकू विक्रेता लाइसेंसिंग के माध्यम से राजस्थान सरकार को टैक्स के रूप में भारी राजस्व मिल सकता है। तंबाकू मुक्त राजस्थान अभियान के समन्वयक राजन चौधरी ने कहा है कि वर्तमान में राजस्थान सरकार को तम्बाकू उत्पादों से वार्षिक टैक्स के रूप में 400 से 500 करोड़ रुपए मिल रहे हैं, जो तम्बाकू विक्रेताओं को लाइसेंस देने के बाद बढ़कर 14 हजार करोड़ रुपए प्रतिवर्ष हो सकेगा। राजन चौधरी ने रविवार को राजधानी जयपुर स्थित एक होटल में तम्बाकू नियंत्रण में नवाचार की आवश्यकता को लेकर आयोजित राज्यस्तरीय मीडिया कार्यशाला में पत्रकारों को संबोधित किया। राजस्थान तंबाकू मुक्त एलायंस (राजतोफा) और एसआरकेपीएस के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय यूनियन अगेंस्ट ट्यूबरकुलोसिस और लंग डिजीजेस (द यूनियन) के संयुक्त तत्वावधान में हुए मीडिया कार्यशाला में उन्होंने कहा कि तम्बाकू विक्रेताओं के लिए शराब विक्रेताओं की तरह एक लाइसेंसिंग सिस्टम होना चाहिए। शराब से राज्य सरकार को वार्षिक 17 हजार करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हो रहा है। जबकि तम्बाकू उत्पादों से सरकार को केवल 400 से 500 करोड़ रुपए का राजस्व प्रतिवर्ष प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में तम्बाकू उत्पादों की अधिकतम बिक्री कालाबाजारी के माध्यम से हो रही है। राजस्थान में तम्बाकू उत्पादों की बिक्री लगभग 50 हजार करोड़ रुपए प्रतिवर्ष है और सरकार 28 प्रतिशत जीएसटी के साथ 14 हजार करोड़ रुपए का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त कर सकती है। इस अभियान के समन्वयक राजन चौधरी ने बताया कि वर्ष 2009 में राजस्थान म्युनिसिपालिटी एक्ट में विक्रेता लाइसेंसिंग के लिए कानून और नियम है। विक्रेता लाइसेंसिंग सीकर में शुरू हो चुका है जबकि नागौर, झुंझुनू और अलवर में इस पर कार्रवाई हो रही है। तंबाकू विक्रेताओं के लिए जयपुर ग्रेटर नगर निगम और जयपुर हेरिटेज नगर निगम द्वारा गजेट नोटिफिकेशन जारी हो चुका है। तम्बाकू विक्रेता लाइसेंसिंग से स्थानीय निकायों को राजस्व मिलेगा। नगर निकाय की सीमाओं में तम्बाकू विक्रेताओं की मैपिंग हो सकेगी। सीमित तम्बाकू दुकानों के कारण तम्बाकू उत्पादों का कचरा कम उत्पन्न होगा। युवाओं को तम्बाकू उत्पादों की पहुँच से दूरी बढ़ेगी और कोटपा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन की सुनिश्चिता हो सकेगी। उन्होंने कहा कि हाड़ोती और जयपुर के पान विक्रेता संघ चाहते हैं कि सरकार तम्बाकू विक्रेता लाइसेंसिंग शुरू करे। राजस्थान कैंसर फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता ने तम्बाकू मुक्त पीढ़ी पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि तम्बाकू विक्रेता लाइसेंसिंग द्वारा जनवरी 2011 में जन्मे बच्चों को वर्ष 2029 तक तम्बाकू मुक्त पीढ़ी बनाई जा सकती है। वर्तमान में किशोरों के लिए तम्बाकू आसानी से उपलब्ध है। राजस्थान में तम्बाकू के आसान उपलब्धता की वजह से प्रतिदिन 300 किशोर तम्बाकू उपभोग करना शुरू कर रहे हैं। जबकि विक्रेता लाइसेंसिंग के कारण तम्बाकू उत्पाद बेचने की सीमित दुकानें होंगी। बच्चों की पहुंच आसानी से नहीं होगी और विक्रेता भी बच्चों को तम्बाकू उत्पाद नहीं बेच सकेंगे। राजतोफा के अध्यक्ष डॉ. रमेश गांधी ने तम्बाकू उत्पादों के सरोगेट विज्ञापनों पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आजकल सेलेब्रिटीज मीठी सुपारी, पान मसाला इत्यादि के रूप में इन तम्बाकू उत्पादों का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं और उनके प्रशंसक तम्बाकू का उपभोग करने की आदत में पड़ जाते हैं। उन्होंने सभी मीडिया से निरंतर तम्बाकू का विरोध करने वाली मजबूत कहानियाँ प्रकाशित करने की अपील की है क्योंकि इससे तम्बाकू का उपभोग कम हो सकेगा।

एसआरकेपीएस के वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक भूपेश दीक्षित ने मेहमानों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के अंत में कार्यक्रम अधिकारी राहुल कुमार ने पधारे हुए सभी मीडिया प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

30 जनवरी को मनाया जाएगा शहीद दिवस

- सुबह 11 बजे रखा जाएगा 2 मिनट का सामूहिक मौन
- 29 जनवरी को किया जाएगा मौन संकेत का ट्रायल टेस्ट

चमकता राजस्थान। जयपुर,!(खलील कुरैशी)28 जनवरी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के मौके पर 30 जनवरी का प्रतिवर्ष शहीद दिवस मनाया जाता है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 30 जनवरी, 2024 को सुबह 11 बजे 2 मिनट का सामूहिक मौन रखा जाएगा।जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि शहीद दिवस को साइरनों द्वारा ध्वनि प्रसारण द्वारा 2 मिनट के मौन संकेत प्रसारित किये जाएंगे। जिसके बाद जिले में सामूहिक मौन रखा जाएगा। सामूहिक मौन के सफल आयोजन के लिए सोमवार, 29 जनवरी, 2024 को सुबह 10 बजकर 59 मिनट पर सायरन बजाकर मौन संकेत का ट्रायल टेस्ट किया जाएगा।जिला प्रशासन द्वारा मौन संकेत प्रसारण के लिए जिले के 8 स्थानों पर 10 सायरनों प्रयोग किया जाएगा। पहला सायरन सुबह 10 बजकर 59 मिनट 15 सेकंड पर बजेगा, जिससे मौन रखने की शुरुआत की जाएगी। 2 मिनट का मौन समाप्त होने पर 11 बजकर 02 मिनट पर मौन समाप्ति संकेत के लिए दूसरी बार सायरन बजाया जाएगा।जिला कलक्टर ने सामूहिक मौन के सफल आयोजन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों जरूरी दिशा-निर्देश जारी किये हैं।

दिल्ली में जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख लोकसभा चुनाव स्क्रीनिंग कमेटी की हुई आयोजित

- तैयार चुनावों को लेकर हुई मुखर रूप से परिचर्चा

चमकता राजस्थान। दिल्ली! (एजेंसी) नई दिल्ली में जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख लोकसभा चुनाव स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक आयोजित हुई इस बारें में विस्तृत जानकारी देते हुए राजस्थान से राज्यसभा सांसद नीरज डांगी ने बताया कि बैठक में मुख्य रूप से आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में चुनावी रणनीति, रोड मेप और कांग्रेस की स्टेट्रजी, लोकसभा उम्मीदवारों के चयन तथा स्थानीय और राष्ट्रीय मुद्दों पर मुखर रूप से परिचर्चा हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में चेयरमैन भक्तचरणदास प्रभारी भारत सोलंकी, जम्मू कश्मीर कांग्रेस अध्यक्ष वकार रसूल लद्दाख अध्यक्ष नवांग जोरा सांसद नीरज डांगी आदि मौजूद रहे।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के रूप में क्लार्क्स आमेर में साहित्यिक भव्यता का एक दशक

चमकता राजस्थान

जयपुर, 28 जनवरी। विश्व के सबसे बड़े साहित्य उत्सवों में से एक, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के लिए होटल क्लार्क्स आमेर एक शांत पृष्ठभूमि में साहित्य, कला और प्रकृति का संगम और बौद्धिक आदान-प्रदान के लिए उत्कृष्ट मंच है। जेएलएफ के जयपुर म्यूजिक स्टेज (जेएमएस) के अनुरूप, प्रतिष्ठित होटल एक दशक से फेस्टिवल से जुड़ा हुआ है, और तीन वर्षों से इस प्रतिष्ठित फेस्टिवल की मेजबानी कर रहा है। होटल ने इस फेस्टिवल को आकार देने और साहित्य एवं कला प्रेमियों के लिए इसे यादगार अनुभव बनाने में एक अभिन्न भूमिका निभाई है। इस फेस्टिवल के साथ-साथ होटल का विकास हुआ है, जहां संस्कृति, कार्यक्षमता और सौंदर्य का मिश्रण स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

प्रख्यात फूड और ट्रैवल राईटर, धर्मेंद्र कंवर ने कहा, ''क्लार्क्स में सभी लोग जिस गर्मजोशी से आपका स्वागत करते हैं वह अवर्णनीय है। मैं होटल के विभिन्न रेस्टोरेंट्स में अक्सर जाती रहती हूं और जब लोग आपको आपके नाम से पुकारते हैं और स्वागत करते हैं, वह हमेशा सुखद ऐहसास होता है। क्लार्क्स एक जन-केंद्रित प्रतिष्ठान हैं और वास्तव में अतिथि संबंधों को महत्व देते हैं। मैं इस वर्ष भी क्लार्क्स में जेएलएफ में भाग लेने के लिए उत्सुक हूं।''

पिछले कुछ वर्षों में, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल एक सांस्कृतिक उत्सव के रूप में विकसित हुआ है, और क्लार्क्स आमेर इस आयोजन में अपनी भव्यता और योजना के साथ एक मजबूत सहयोग प्रदान करने में सक्षम रहा है। हरे-भरे क्लार्क्स परिसर में स्थित, फेस्टिवल क्षेत्र गहन और दिलचस्प सत्रों का मार्ग प्रशस्त करता है। इस वर्ष, फेस्टिवल में व्यक्तिगत सत्रों के लिए भी स्थानों का भी विस्तार किया गया है।

टूरिज्म एक्सपर्ट और लेखिका, तृप्ति पांडे ने कहा, ''जेएलएफ के लिए एक बड़ा स्पेस होना बहुत महत्वपूर्ण था। क्लार्क्स एक बड़ा स्थान होने के साथ-साथ हरा-भरा वातावरण प्रदान करता है, जो फेस्टिवल का आनंद उठाने के लिए लोगों के लिए वेन्यू को सुलभ बनाता है और साथ ही सत्रों को बेहतर ढंग से संचालित करने में मदद करता है। जहां आप बिना धक्का-मुक्की के या बिना भीड़ में अटके खुली सांस लेते हुए फेस्टिवल को एन्जॉय कर सकते हैं। साथ ही, कार्यक्रम स्थल तक पहुंचना भी आसान है और उचित पार्किंग की व्यवस्था भी है।''

जेएलएफ और क्लार्क आमेर के बीच यह संबंध इस बात की कहानी बयां करता है कि इन दोनों के बीच कितना गहन जुड़ाव है। पिछले कुछ वर्षों में आयोजन स्थल का पैमाना बढ़ा है, यहां तक कि पार्किंग क्षेत्र भी अपने आप में एक जीवंत स्थल बन गया है। स्थान की योजना कार्यक्षमता और सौंदर्यशास्त्र के मिश्रण को दर्शाती है, जो एक फेस्टिवल के विस्तार और उसके साथ-साथ इसके साथ-साथ इसके साझेदारों के विकास पर भी प्रकाश डालती है। इस वर्ष, फेस्टिवल को 'जीरो-वेस्ट' बनाने का जेएलएफ का लक्ष्य पूरी तरह से क्लार्क्स की सस्टेनेबल प्रैक्टेसिस के साथ संरेखित है, जैसे प्लास्टिक का उपयोग न करना, वहां के डाइनिंग स्पेस में 'फार्म टू फोर्क' कॉन्सेप्ट और एकड़ों में फैली प्रकृति, जो अनुभव को और खास बनाएगा।

क्लार्क्स ग्रुप ऑफ होटल्स के प्रबंध निदेशक और जयपुर विरासत फाउंडेशन (जेवीएफ) के ट्रस्टी, अपूर्व कुमार ने कहा, ''सांस्कृतिक आतिथ्य के संरक्षक के रूप में, क्लार्क्स ग्रुप ऑफ होटल्स आगामी जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल की मेजबानी करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा है। हमारे इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ होटल कर्मी भी इस तरह के महत्वपूर्ण और सांस्कृतिक उत्सवों को आयोजित करने में बहुत अनुभवी और कुशल हैं। हम शहर और फेस्टिवल में आने वाले मेहमानों के लिए जेएलएफ का 17वां संस्करण यादगार बनाने की उम्मीद करते हैं।''

इस फेस्टिवल ने न केवल क्लार्क्स आमेर की भव्यता को और चार चांद लगाए हैं, बल्कि आयोजन स्थल को और भी अधिक गतिशील और बहुआयामी स्थान बनाने में भी योगदान दिया है। क्लार्क्स आमेर ने लेखकों, मेहमानों और फ्रेंड्स ऑफ द फेस्टिवल के आराम और सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशाल लाउंज तैयार किए हैं। बाज़ार और रेस्टोरेंट कियोस्क के पास अब एक क्षेत्र निर्धारित किया गया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929